आज का विचार

शब्द और व्यवहार ही मनुष्य की असली पहचान है, चेहरा और हैसियत का क्या है, आज है कल नहीं है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | सोमवार, 27 अप्रैल, 2026 वर्ष 24, अंक 100, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

श्रमिक देश की अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ, विकसित भारत के लक्ष्य में अहम भूमिका : नायब सिंह सैनी

गुरुग्राम में मुख्यमंत्री ने की घोषणा: संगठित श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए होगा राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसकी प्राप्ति में श्रमिक वर्ग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूती श्रमिकों की मेहनत पर आधारित है और इसी के बल पर भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को गुरुग्राम के सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक जागरूकता एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने भारतीय मजदूर संघ द्वारा ऑटो चालकों एवं ड्राइवरों के लिए श्रम कल्याण बोर्ड के गठन की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार संगठित श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड का गठन करेगी। इस बोर्ड के माध्यम से ऑटो चालक एवं ड्राइवरों को भी सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा

सेवा सुरक्षा नियम लागू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, जिसके तहत कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र जारी करने की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि 15 जून तक इस प्रक्रिया को पूर्ण करते हुए सभी पात्र कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने गत 8 अप्रैल को कोड ऑन वेजिज के प्रावधानों के तहत न्यूनतम बेसिक वेतन में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू की है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में न्यूनतम वेतन 2,903 रुपये था, जो 2014 तक बढ़कर 6,289 रुपये हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद जब वर्तमान सरकार ने जनसेवा का दायित्व संभाला, तो श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता दी गई। आज न्यूनतम वेतन बढ़कर 19,425 रुपये हो चुका है। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस के 10 वर्षों में न्यूनतम वेतन लगभग दोगुना हुआ, वहीं वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में यह तीन गुना से भी अधिक बढ़ा है, जो श्रमिक कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और न्यूनतम वेतन में ऐतिहासिक बढ़ोतरी, पारदर्शी व्यवस्था के तहत डीबीटी के माध्यम से आर्थिक सहायता, तथा विभिन्न योजनाओं के जरिए श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। श्रमिकों के परिवारों के भविष्य को भी सुरक्षित करने के लिए शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रमिकों के जीवन में वास्तविक सुधार लाना है, ताकि वे सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें और प्रदेश की विकास यात्रा में और अधिक मजबूती के साथ योगदान दे सकें।

रिकॉर्ड मतदान से होगा बदलाव: मोदी

प्रधानमंत्री बोले- 29 अप्रैल को नई मिसाल कायम करने की अपील

एजेंसी (हि.स.)
हुगली

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के हरिपाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और भाजपा के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान की अपील की। ठाकुरनगर में पहली सभा के बाद मोदी हरिपाल पहुंचे, जहां राज्य भाजपा नेतृत्व ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में राजा राम मोहन राय तथा रामकृष्ण परमहंस जैसे बंगाल के महान व्यक्तित्वों को याद किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण में मतदान का रिकॉर्ड टूटा है और 29 अप्रैल को होने वाले अगले चरण में इसे और आगे बढ़ाना चाहिए।

राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि “नवान्न से सरकार नहीं चलती, बल्कि तृणमूल के गुंडे और मस्तान शासन चला रहे हैं।” उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने जनता का भरोसा खो दिया है, जिसके कारण लोगों को बार-बार अदालतों का रुख करना पड़ रहा है।

शिक्षा घोटाले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तृणमूल के मंत्रियों ने हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार संवेदनशील होती तो निष्पक्ष जांच कराती, लेकिन अदालतों को हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने पंचायत चुनाव 2023 का हवाला देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब थी कि अदालत को केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश देना पड़ा।

प्रधानमंत्री ने संदेशखाली और अन्य घटनाओं का उल्लेख करते हुए महिलाओं की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है और सत्ता में आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य को दोगुना किया है और इसके उपयोग को बढ़ावा दिया है, जबकि तृणमूल सरकार उद्योगों को पनपने नहीं दे रही। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सिंडिकेट राज हावी है, जो किसानों से सस्ते में फसल खरीदकर महंगे दाम पर बेचता है।

प्रधानमंत्री ने महिलाओं के लिए कई घोषणाएं करते हुए कहा कि 75 लाख महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जाएगी ताकि उनकी आय एक लाख रुपये सालाना से अधिक हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाएं 20 लाख रुपये तक का ऋण ले सकेंगी, जिसकी गारंटी सरकार देगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस का उल्लेख करते हुए लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील की और कहा कि यह चुनाव “जंगलराज, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और घुसपैठ” से मुक्ति का अवसर है।

ममता दीदी ने किसानों के साथ किया अन्याय : अमित शाह

तेहट्ट (नादिया)। पश्चिम बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए उन पर किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। नदिया जिले के तेहट्ट में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल के मतदाताओं ने पहले चरण के मतदान में दीदी का सफाया कर दिया है। पहले चरण की 150 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 110 सीटें जीतने जा रही है। बाकी काम दूसरे चरण में पूरा किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि ममता दीदी ने इस क्षेत्र के लहसुन किसानों को धोखा दिया है। देश के बाकी हिस्सों में लहसुन 200 टका प्रति किलो बिकता है। लेकिन बांग्लादेश से आने वाले नकली चीनी लहसुन के कारण, लहसुन किसानों को केवल 12 टका प्रति किलोग्राम मिलता है। भाजपा सरकार के दौरान चीनी लहसुन पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और किसानों को उनके उत्पादित लहसुन का मूल्य 200 रुपये प्रति किलोग्राम मिलेगा। अमित शाह ने कहा, मैं माताओं-बहनों से कहना चाहता हूं कि यहां कमल की सरकार बनाएं। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि मई महीने से प्रत्येक दीदी के बैंक खाते में तीन हजार रुपये जमा किये जायेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बंगाल के सभी बेरोजगार युवाओं के खाते में भी 3000 की राशि हर माह जमा करेगी और हम हर गर्भवती मां को उसके बच्चे की देखभाल के लिए 21 हजार रुपये दिए जाएंगे।

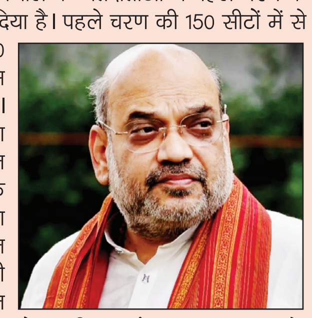

देश में ईंधन आपूर्ति सामान्य, 51.8 लाख एलपीजी सिलेंडर की हुई आपूर्ति: केंद्र

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी हालात के बीच केंद्र सरकार ने देश में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार ने बताया कि 25 अप्रैल को देशभर में 51.8 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति की गई, जबकि कहीं भी गैस एजेंसियों पर कमी (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, देश में एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे पेट्रोल, डीजल और गैस की अनावश्यक खरीद से बचें और अफवाहों पर ध्यान न दें।

मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2026 से अब तक लगभग 5.45 लाख पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए हैं, जबकि 2.62 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए आधारभूत ढांचा तैयार किया गया है। साथ ही 42,500 से अधिक उपभोक्ताओं ने पीएनजी अपनाते हुए एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए हैं।

सरकार ने आपूर्ति प्रबंधन को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। एलपीजी की मांग को संतुलित करने के लिए वैकल्पिक ईंधनों जैसे केरोसिन और कोयले की उपलब्धता भी बढ़ाई गई है।

वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों को दिया जा रहा है। साथ ही प्रवासी श्रमिकों के लिए 5 किलोग्राम सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाई गई है।

मंत्रालय ने बताया कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए देशभर में सख्त कार्रवाई जारी है। बीते दिन 2100 से अधिक छापेमारी की गई, जबकि 310 गैस एजेंसियों पर जुमार्ना लगाया गया और 70 एजेंसियों को निलंबित किया गया है।

पश्चिम एशिया क्षेत्र में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी सरकार सक्रिय है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि अब तक 2,764 भारतीय नाविकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है, जिनमें पिछले 24 घंटों में 24 लोग शामिल हैं। 28 फरवरी से अब तक करीब 12.96 लाख यात्री इस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं।

सरकार ने कहा कि सभी बंदरगाहों पर संचालन सामान्य है और भारतीय जहाजों या नाविकों के साथ किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। विदेश मंत्रालय और अन्य एजेंसियां क्षेत्र में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी कर रही हैं।

बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या, तृणमूल कांग्रेस पर हमलावर राहुल ने की दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा की गई यह हत्या बेहद निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जगह गुंडाराज चल रहा है, जहां विरोधी आवाजों को डराने और खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है।

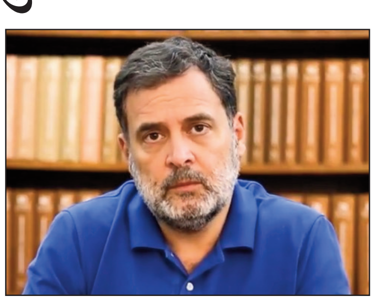

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर आधारित नहीं रही है और पार्टी ने हमेशा अहिंसा तथा संविधान के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया है। कांग्रेस ने अपने कार्यकताओं को खोया है, इसके बावजूद पार्टी ने शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों को ही अपनाया है।

उन्होंने ताजा मामले में आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी और मृतक के परिवार को सुरक्षा के साथ उचित मुआवजा देने की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली ऐसी राजनीति के सामने कांग्रेस झुकेगी नहीं और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

तकनीकी क्षमता से परिभाषित होगी राष्ट्रों की शक्ति: जितेंद्र सिंह

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि सामूहिक प्रयासों से भारत न केवल विकसित राष्ट्र बनेगा बल्कि वैश्विक प्रगति को भी नई दिशा देगा। आने वाले दशकों में किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसकी तकनीकी क्षमता से परिभाषित होगी।

डॉ. सिंह ने यह बात लॉस एंजिल्स में वर्चुअल माध्यम से आयोजित 'अखिल-आईआईटी पूर्व छात्र सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कही। इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के प्रौद्योगिकी नेता, उद्यमी, निवेशक और शोधकर्ता शामिल हुए।

इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, “भारत को तकनीकी संप्रभुता हासिल करने और वैश्विक स्तर पर अपनी प्रगति को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करना होगा।”

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं रहा बल्कि एक वैश्विक नवप्रवर्तक के रूप में उभर रहा है। साल 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी नींव हैं। अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार, जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति और डीप-टेक स्टार्टअप्स का उदय भारत की बढ़ती वैश्विक शक्ति के जीवंत प्रमाण हैं।

भारतीय प्रवासियों, विशेष रूप से आईआईटी के पूर्व छात्रों के योगदान की सराहना करते हुए मंत्री ने उन्हें भारत और वैश्विक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि निवेश, मार्गदर्शन और नीतिगत भागीदारी के माध्यम से प्रवासी भारतीय देश के विकास पथ को निरंतर मजबूत कर रहे हैं। डॉ. सिंह ने उभरते हुए क्षेत्रों जैसे सेमी कंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और क्वांटम प्रौद्योगिकियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक लचीलेपन के लिए अनिवार्य बताया।

एक पुलिस कार्मिक अपराधी के लिए जितना कठोर हो,नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए : योगी

सिटी दर्पण संवाददाता
लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशिक्षु आरक्षियों का आह्वान करते हुये कहा कि आप सभी ने अपने प्रशिक्षण काल में कठोर परिश्रम, लगन और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आज की इस परेड में उसकी उत्कृष्ट और भव्य प्रस्तुति हम लोगों ने देखी है। इस दीक्षान्त समारोह के उपरान्त आप सभी विभिन्न जनपदों में फील्ड ड्यूटी के लिये जायेंगे। पुलिस कार्मिक अपराधी के लिए जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए। आपसे आशा है कि आप प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान, कौशल और मूल्यों का उपयोग करते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्य परायणता के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस की गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री आज यहां आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती वर्ष 2025-26 बैच के दीक्षान्त परेड समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परेड की सलामी ली तथा निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रशिक्षु आरक्षियों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दीक्षान्त समारोह इस बात का गवाह है कि कैसे इन बेटियों ने यहां बेहतरीन प्रशिक्षण प्राप्त कर पुलिस की व्यावसायिक प्रशिक्षण क्षमता का उत्कृष्टतम उदाहरण प्रस्तुत किया है। उत्तर प्रदेश पुलिस बल को देश व दुनिया की बेहतरीन पुलिस के रूप में स्थापित करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों में इनका अहम योगदान होने वाला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस प्रशिक्षण के बारे में कहा जाता है कि प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आयेगी। इन बेटियों ने जिस मजबूती, तत्परता, समर्पण और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण पूरा किया है, वह अत्यन्त सराहनीय है। आज प्रदेश में 10 पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों, 73 जनपदों की पुलिस लाइन्स, 29 पी0एस0सी0 बटालियन के कुल 112 रिक्रूट ट्रेनिंग केन्द्रों में आरक्षी दीक्षान्त परेड एक साथ आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 जून, 2025 को लखनऊ में डिफेन्स एक्सपो ग्राउण्ड में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 60,244 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। 21 जुलाई, 2025 से प्रारम्भ इन अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण के दौरान मुझे विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों में जाने तथा उनके प्रशिक्षण से सम्बन्धित व्यवस्थाओं के निरीक्षण का अवसर प्राप्त हुआ था। प्रदेश में पुलिस बल की प्रशिक्षण सुविधाओं को पहले की तुलना में बेहतरीन किया गया है। यह आज यहां हम लोगों ने अपनी आंखों से देखा है। पुलिस की सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासन व टीम वर्क के साथ कार्य करने का उत्कृष्ट भाव होता है। देश के लिए सर्वोत्कृष्ट योगदान देने की भावना किसी भी वदीर्धारी फोर्स के लिए महत्वपूर्ण होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस को आज देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित किया गया है। वर्ष 2017 से अब तक 2.18 लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती की जा चुकी है। 01 लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों को अलग-अलग फेजेज में प्रमोशन देने की कार्रवाई की गयी है। वर्ष 2017 से पूर्व पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता मात्र 3,000 थी। प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से 60,244 पुलिस आरक्षियों का प्रशिक्षण एक साथ उत्तर प्रदेश के ही प्रशिक्षण केन्द्रों में सम्पन्न किया है। यह उत्तर प्रदेश की विगत 09 वर्षों में अर्जित प्रगति को दशार्ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश के 55 जनपद ऐसे हैं, जहां सबसे हाई राइज बिल्डिंग पुलिस कार्मिकों के बैरक या उनकी आवासीय सुविधा की है। प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रत्येक प्रशिक्षु को आधारभूत तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के साथ ही, “यू0पी0 पुलिस ट्रेनिंग पोर्टल” नाम का डिजिटल प्लेटफार्म भी लांच किया गया है। शारीरिक प्रशिक्षण को वैज्ञानिक और आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट पी0टी0 प्रोग्राम लागू किया गया। आउटडोर प्रशिक्षण में 03 नॉट 03 राइफल के स्थान पर इन्सास और एस0एल0आर0 राइफल द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। इस अवसर पर सांसद डॉ0 दिनेश शर्मा, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, पुलिस आयुक्त लखनऊ श्री अमरेन्द्र कुमार सेंगर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिमला रोपवे परियोजना: 13 स्टेशनों वाला बड़ा नेटवर्क, लागत बढ़कर 2,980 करोड़ तक पहुंची

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बढ़ते ट्रैफिक दबाव से निपटने के लिए प्रस्तावित रोपवे और रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम परियोजना एक बार फिर चर्चा में है। लंबे समय से योजनाबद्ध इस परियोजना को अब अंतिम वित्तीय मंजूरी का इंतजार है, जबकि सरकार इसके लिए संसाधन जुटाने के विकल्पों पर काम कर रही है।

इस परियोजना की लागत में पिछले कुछ समय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। पहले इसकी अनुमानित लागत करीब 1,556 करोड़ रुपये थी, जो अब बढ़कर लगभग 2,980 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इसके साथ ही राज्य सरकार का वित्तीय हिस्सा भी बढ़कर करीब 540 करोड़ रुपये हो गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस राशि की व्यवस्था के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, ताकि परियोजना को स्थायी और व्यावहारिक ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। यह योजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित की जानी है। केंद्र सरकार के आर्थिक मामलों के विभाग से इसे पहले ही स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे परियोजना को नीतिगत समर्थन मिला है। अब राज्य स्तर पर वित्तीय मंजूरी की प्रक्रिया जारी है।

सरकार 80:20 के फंडिंग पैटर्न के तहत 80 प्रतिशत राशि बाहरी स्रोतों से जुटाने की योजना बना रही है और इसके लिए न्यू डेवलपमेंट बैंक से सहयोग लेने के प्रयास किए जा रहे हैं। करीब एक दशक से लंबित इस परियोजना को अक्टूबर 2025 में वन स्वीकृति मिलने के बाद नई गति मिली। लगभग छह हेक्टेयर भूमि के उपयोग की अनुमति मिल चुकी है और तकनीकी प्रक्रियाएं भी काफी आगे बढ़ चुकी हैं। अधिकारियों के मुताबिक जैसे ही वित्तीय स्वीकृति मिलती है, परियोजना पर काम शुरू किया जा सकता है।

प्रस्तावित रोपवे करीब 13.65 किलोमीटर लंबा होगा और इसे बड़े शहरी रोपवे सिस्टम में गिना जा सकता है। इसमें 660 केबिन होंगे, जिनमें प्रत्येक में 10 यात्री बैठ सकेंगे। हर दिशा में प्रति घंटे लगभग 3,000 यात्रियों को ले जाने की क्षमता होगी और हर 2 से 3 मिनट में केबिन उपलब्ध रहने की व्यवस्था होगी।

इस परियोजना के तहत शहर के प्रमुख इलाकों तारा देवी, टूटीकंडी, आईएसबीटी, विक्ट्री टनल, रेलवे स्टेशन, सचिवालय, संजौली और आईजीएमसी सहित कुल 13 स्थानों को जोड़ा जाएगा। इससे शहर के भीतर आवाजाही तेज और सुगम होने की उम्मीद है, खासकर पर्यटन सीजन में लगने वाले जाम से राहत मिल सकती है।

दरअसल, पहाड़ी शहर होने के कारण शिमला में सड़कों का विस्तार सीमित है, ऐसे में रोपवे जैसी वैकल्पिक परिवहन प्रणाली दीर्घकालिक समाधान साबित हो सकती है। यह न केवल यातायात दबाव कम करेगी, पर्यावरण के लिहाज से भी एक बेहतर विकल्प मानी जा रही है।

हालांकि सरकार इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए इच्छुक है, लेकिन आर्थिक दबाव और अन्य खर्चों के चलते इसकी फाइनेंसिंग में समय लग सकता है। अगर जल्द समाधान नहीं निकला, तो शिमला को ट्रैफिक की समस्या से राहत मिलने में और देरी हो सकती है। राज्य सरकार का कहना है कि वह इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और वित्तीय चुनौतियों का समाधान तलाशने की दिशा में काम जारी है।

हिमाचल में स्मार्ट मीटर विवाद गहराया, कर्मचारी संगठनों ने बिजली बोर्ड प्रबंधन पर साधा निशाना

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को लेकर विवाद तेज हो गया है। बिजली कर्मचारियों और पेंशनरों के संयुक्त मंच ने बिजली बोर्ड प्रबंधन पर उपभोक्ताओं के खिलाफ दबाव और कठोर रवैया अपनाने के आरोप लगाए हैं। संगठनों ने कहा है कि स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर लोगों की बिजली काटने की धमकियां दी जा रही हैं, जो पूरी तरह अनुचित और जनहित के खिलाफ है।

रविवार को जारी एक संयुक्त बयान में विद्युत पेंशनर फोरम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप खरवाड़ा, जेएसी के सह संयोजक हीरा लाल वर्मा, संरक्षक कामेश्वर शर्मा, राज्य अध्यक्ष नितीश भद्वाज और महासचिव प्रशांत शर्मा ने कहा कि बिजली बोर्ड एक सार्वजनिक सेवा संस्था है, लेकिन इसके बावजूद जिस तरह का व्यवहार अपनाया जा रहा है, वह सेवा भावना के विपरीत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उपभोक्ताओं को 24 घंटे के भीतर स्मार्ट मीटर लगाने के लिए मजबूर किया जा रहा है और ऐसा न करने पर बिजली काटने की चेतावनी दी जा रही है। संगठनों ने इसे अवैध और अस्वीकार्य बताया और कहा कि इस तरह का दबाव किसी भी स्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता।

बयान में यह भी कहा गया कि संगठन तकनीकी आधुनिकीकरण और सुधार के विरोध में नहीं हैं, लेकिन इसे लागू करने का तरीका पारदर्शी और जनहित में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को परियोजना की लागत, तकनीकी मानक, बिलिंग प्रणाली, डेटा सुरक्षा और शिकायत निवारण व्यवस्था के बारे में पूरी जानकारी देना जरूरी है, जो वर्तमान प्रक्रिया में नहीं किया जा रहा है।

संगठनों ने यह भी दावा किया कि स्मार्ट मीटर परियोजना से राज्य के उपभोक्ताओं पर लगभग 2500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि पहले 1800 करोड़ रुपये आंकी गई परियोजना अब 2600 करोड़ रुपये तक कैसे पहुंच गई। इसके साथ ही उन्होंने बिजली बोर्ड पर निजी कंपनियों को काम सौंपने का भी आरोप लगाया। बयान में कहा गया कि स्मार्ट मीटर लगाने और नए बिजली कनेक्शन देने जैसे महत्वपूर्ण कार्य निजी कंपनियों को दिए जा रहे हैं, जिससे न केवल उपभोक्ताओं को असुविधा होगी, बल्कि बोर्ड की कार्यप्रणाली पर भी असर पड़ेगा।

संगठनों ने मांग की है कि उपभोक्ताओं को दी जा रही धमकियों और नोटिस को तुरंत वापस लिया जाए और स्मार्ट मीटर नीति को पारदर्शी, जनहित और भरोसेमंद तरीके से लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली जैसे आवश्यक सेवा क्षेत्र में डर और दबाव की बजाय विश्वास और संवाद जरूरी है। संयुक्त मंच ने स्पष्ट किया कि बिजली बोर्ड जनता की सेवा के लिए है और इसे किसी भी तरह के दबाव या निजी हितों का साधन नहीं बनाया जाना चाहिए।

हिमाचल के शहरी विकास के लिए 1,200 करोड़ की परियोजनाओं को केंद्र की मंजूरी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के शहरी विकास को लेकर करीब 1,200 करोड़ रुपये की प्राथमिक परियोजनाओं को केंद्र सरकार से मंजूरी की दिशा में सकारात्मक संकेत मिले हैं। यह जानकारी लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने रविवार को दी है। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य की अहम शहरी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी है। विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि यह बैठक केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में हुई, जिसमें हिमाचल प्रदेश के शहरी विकास से जुड़े बड़े प्रस्तावों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कुल 5,400 करोड़ रुपये का व्यापक शहरी विकास विजन प्रस्तुत किया था, लेकिन तत्काल प्राथमिकता के तौर पर करीब 1,100 से 1,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर विशेष चर्चा हुई। मंत्री के अनुसार केंद्र सरकार ने संकेत दिया है कि इन प्राथमिक परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) जल्द तैयार कर भेजी जाए, जिसके बाद उन्हें मंजूरी देने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हिमाचल के शहरी विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इन परियोजनाओं में शिमला शहर में यातायात दबाव कम करने के लिए डिकंजेशन योजना, आधुनिक हाइड्रोलिक पार्किंग व्यवस्था और भूमिगत यूटिलिटी डक्टिंग जैसी योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा कांगड़ा में प्रस्तावित एयरोसिटी टाउनशिप को भी शहरी विकास के नए मॉडल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि बैठक के दौरान उन्होंने पहाड़ी राज्यों की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे राज्यों में निर्माण लागत अधिक होती है और हर साल लाखों पर्यटकों के आने से शहरी ढांचे पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, इसलिए वित्तीय नियमों में लचीलापन जरूरी है। मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि केंद्र की इस सकारात्मक पहल से उम्मीद है कि आने वाले समय में इन 1,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारा जाएगा, जिससे शिमला और कांगड़ा जैसे शहरों की तस्वीर बदलने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

चिट्टा तस्कर को कोर्ट ने सुनाई चार साल की सजा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिला शिमला में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक पुराने मामले में अदालत ने दोषी को कड़ी सजा सुनाई है। रोहड़ू क्षेत्र में दर्ज एक चिट्टा तस्करी के मामले में विशेष अदालत ने आरोपी को चार साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा दी है। यह फैसला नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस की जांच और अदालत में मजबूत पैरवी के बाद आया है। यह मामला 14 नवंबर 2023 का है, जब थाना रोहड़ू पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक होटल में नशे की गतिविधि हो रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी थी। इस कार्रवाई के दौरान आरोपी सूरज राणा, निवासी तहसील मोरी, जिला उत्तरकाशी (उत्तराखंड) के कब्जे से 10.34 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया और आगे की जांच शुरू की।

जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने 14 मार्च 2024 को अदालत में चालान पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्य और मजबूत जांच के आधार पर अपनी दलीलें रखीं। अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी और सबूतों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया।

शिमला पुलिस के एक प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधी रोहड़ू की अदालत ने आरोपी सूरज राणा को दोषी मानते हुए चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उसे 20,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है। जुमार्ना न देने की स्थिति में अतिरिक्त सजा का प्रावधान भी रखा गया है। सजा सुनाए जाने के बाद दोषी को कंडा जेल भेज दिया गया है।

प्रवक्ता के मुताबिक कि यह फैसला नशा तस्करों के लिए एक सख्त संदेश है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल लोगों को कानून से बचाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि जिला शिमला पुलिस न केवल तस्करों की गिरफ्तारी कर रही है, मजबूत जांच और अदालत में प्रभावी पैरवी के जरिए दोषियों को सजा दिलाने पर भी पूरी तरह ध्यान दे रही है।

पुलिस ने यह भी कहा कि नशे के खिलाफ यह अभियान आगे भी इसी सख्ती के साथ जारी रहेगा, जिससे युवाओं को नशे के जाल से बचाया जा सके और समाज में इस समस्या को जड़ से खत्म किया जा सके।

शिमला : चिट्टा तस्करी के दो मामलों में तीन गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिला शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों मामलों में पुलिस ने कुल 13.37 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार बैकवर्ड लिंकेज और तकनीकी जांच के आधार पर पूरे नेटवर्क की कड़ियाँ जोड़ी जा रही हैं और सप्लायर से लेकर खरीदार तक की पहचान की जा रही है। दोनों मामलों की जांच थाना बालूगंज के तहत की जा रही है।

पहला मामला तारादेवी क्षेत्र से जुड़ा है, जहां विशेष सेल की टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर एक वाहन की जांच की। जांच के दौरान वाहन में सवार रिशव कुमार (34) निवासी तारादेवी के कब्जे से 8 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इस मामले की जांच आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और वित्तीय लेन-देन की पड़ताल की। इसी आधार पर पुलिस को सप्लाई नेटवर्क से जुड़े एक अन्य आरोपी की जानकारी मिली। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी को नशे की खेप उपलब्ध कराने में बादल उर्फ टिटला पुत्र अमीर सिंह, निवासी कोटखाई जिला शिमला की संलिप्तता है। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बीते कल शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी लंबे समय से चिट्टा सप्लाई के धंधे में सक्रिय था और वित्तीय लेन-देन के जरिए नेटवर्क चला रहा था। अदालत से उसे पुलिस रिमांड पर लिया गया है, जो 27 अप्रैल तक जारी है।

दूसरा मामला तब सामने आया, जब विशेष सेल की टीम संकट मोचन क्षेत्र में गश्त और निगरानी ड्यूटी पर थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति चंडीगढ़ से टैक्सी में शिमला की ओर आ रहा है और उसके पास नशे की खेप हो सकती है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संबंधित टैक्सी को रोका और नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान रितिक ठाकुर (26) निवासी कुपवी के कब्जे से 5.37 ग्राम चिट्टा बरामद की गई।

पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ थाना बालूगंज में मामला दर्ज किया गया। आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने रविवार को बताया कि दोनों मामलों में बरामदगी और गिरफ्तारियों से यह स्पष्ट होता है कि शिमला में नशे का नेटवर्क संगठित रूप से सक्रिय है। इसे तोड़ने के लिए लगातार तकनीकी निगरानी, वित्तीय जांच और बैकवर्ड लिंकेज पर काम किया जा रहा है। पुलिस ने कहा है कि नशा तस्करों के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

हिमाचल में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 30 फीसदी बकाया भुगतान की अधिसूचना जारी

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नई अधिसूचना जारी की है। यह आदेश पहले से जारी कार्यालय ज्ञापनों की निरंतरता में जारी किया गया है, जिसमें वर्ष 2016 से 2022 के बीच सेवानिवृत्त या सेवा के दौरान दिवंगत हुए कर्मचारियों को राहत देने का प्रावधान किया गया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार 01 जनवरी 2016 से 31 जनवरी 2022 के बीच सेवानिवृत्त या सेवा में रहते हुए दिवंगत हुए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण की बची हुई 30 प्रतिशत राशि का तुरंत भुगतान किया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस भुगतान के बाद इन कर्मचारियों की ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण से जुड़ी सभी बकाया राशि शून्य मानी जाएगी।

यह निर्णय पहले जारी कार्यालय ज्ञापनों 17 सितंबर 2022 और 27 जनवरी 2026 की निरंतरता में लिया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि राज्यपाल हिमाचल प्रदेश ने इस आदेश को स्वीकृति प्रदान की है, जिसके बाद इसे लागू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि पहले से दी गई अंतरिम राहत की विभिन्न किस्तें और महंगाई राहत की अलग-अलग किश्तें भविष्य में पेंशन या पारिवारिक पेंशन के बकाया से समायोजित की जाएंगी। यह समायोजन 2016 से 2021 के बीच जारी विभिन्न सरकारी आदेशों के अनुसार किया जाएगा। इसी के तहत 27 जनवरी 2026 के आदेश में आंशिक संशोधन भी किया गया है।

वित्त विभाग ने यह जिम्मेदारी भी तय की है कि पेंशन वितरित करने वाली सभी एजेंसियां और बैंक यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारियों को पहले दी गई राहत राशि का सही तरीके से समायोजन किया जाए, ताकि किसी प्रकार की दोहराव या त्रुटि न रहे।

संक्षिप्त-समाचार

लद्दाख उपराज्यपाल ने आग और बचाव सेवा के लिए नए प्रतीक, ध्वज, लोगो को मंजूरी दी

लेह। लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रविवार को अग्निशमन और बचाव सेवा विभाग के आधिकारिक प्रतीक, ध्वज, लोगो और अन्य प्रतीक चिन्ह को मंजूरी दे दी। उपराज्यपाल ने कहा कि इन पहचान तत्वों को कर्मचारियों के बीच एकरूपता, अनुशासन और संस्थागत गौरव की मजबूत भावना लाने के लिए डिजाइन किया गया है। साथ ही सार्वजनिक मान्यता और विश्वास में भी सुधार किया गया है। लोगो और प्रतीक चिन्ह में सांस्कृतिक तत्वों का एकीकरण न केवल कर्मचारियों के बीच गर्व पैदा करता है, बल्कि भूमि और उसके लोगों के साथ विभाग के गहरे संबंध का भी प्रतीक है। सक्सेना ने कहा कि कुशल आपातकालीन प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने और सार्वजनिक विश्वास बनाने के लिए एक पेशेवर, अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त बल महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोगो राष्ट्रीय प्रतीकवाद और लद्दाख की सांस्कृतिक पहचान का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है, जो अधिकार, अखंडता और सेवा का प्रतिनिधित्व करता है। प्रवक्ता ने कहा कि आग की लपटें, पार की गई कुल्हाड़ियां और बचाव रूपांकनों जैसे पारंपरिक अग्निशमन प्रतीक साहस, तैयारियों और जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। डिजाइन में लद्दाख के अद्वितीय परिदृश्य और विरासत से प्रेरित तत्व भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के पहाड़ी इलाकों को प्रतिबिंबित करने वाले रूपांकन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लचीलेपन और अनुकूलनशीलता का प्रतीक हैं, जबकि पारंपरिक लद्दाखी कला के सूक्ष्म प्रभाव क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित करते हैं।

युवाओं को बर्बाद करने के लिए नशा देश विरोधी ताकतों का हथियार : सतीश शर्मा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कैबिनेट मंत्री सतीश शर्मा ने रविवार को नशीले पदार्थो को देश के युवाओं को नष्ट करने के लिए राष्ट्र-विरोधी ताकतों का हथियार बताया और शून्य-सहिष्णुता पर कार्रवाई करने का आह्वान किया। डल झील के तट पर 'संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम के मौके पर खेल मंत्री ने कहा कि भारत की इकहत्तर प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। वे किसी और तरीके से देश को बर्बाद नहीं कर सकते, इसलिए वे अपना काम करने के लिए दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति, परिवहन और युवा सेवा विभाग संभालने वाले मंत्री ने चेतावनी दी कि मादक द्रव्यों के सेवन में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, चाहे उनकी स्थिति कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि वे देशद्रोही हैं जो नशीली दवाओं के आदी हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कौन हैं एक राजनेता, एक पुलिसकर्मी या कोई और अगर कोई नशे का आदी है, तो मैं नियम तोड़ दूंगा।

गृह मंत्री अमित शाह 30 अप्रैल को लेह पहुंचेंगे, भगवान बुद्ध के अवशेषों के दर्शन करेंगे

लेह। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे के लिए 30 अप्रैल को लेह पहुंचेंगे। गृह मंत्री एक मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों पर अपना सम्मान अर्पित करेंगे। लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रविवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 1-14 मई तक लद्दाख में आयोजित होने वाली पवित्र प्रदर्शनी के आध्यात्मिक महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष क्षेत्र में अपनी तरह की पहली सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए 29 अप्रैल को लेह पहुंचेंगे। उत्तर प्रदेश के पिपरहवा (प्राचीन कपिलवस्तु) से खोदे गए अवशेषों को 1 मई से 14 मई तक जिवे त्साल, चोगलमसर में प्रदर्शित किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बढ़ाई जाए सतर्कता : डीआईजी

जम्मू। जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक श्रीधर पाटिल ने सीमावर्ती क्षेत्रों की रणनीतिक संवेदनशीलता के कारण जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कड़ी निगरानी और सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कठुआ में जिला पुलिस लाइन में सभी पर्यवेक्षी अधिकारियों के साथ एक व्यापक सुरक्षा और अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने अधिकारियों से राष्ट्र-विरोधी तत्वों के किसी भी बुरे इरादे को प्रभावी ढंग से विफल करने के लिए कड़ी निगरानी रखने और सतर्कता बढ़ाने को कहा। अधिकारियों को सीमा पर मजबूत सुरक्षा ग्रिड सुनिश्चित करने के लिए कड़ी जांच, गश्त बढ़ाने और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। कठुआ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने जिले के अपराध और सुरक्षा परिदृश्य के व्यापक अवलोकन के साथ-साथ जिला पुलिस कठुआ के कामकाज की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

36 ग्राम से ज्यादा हेरोइन के साथ तस्कर बरामद

शिमला। जिला शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत संजौली थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 36.050 ग्राम हेरोइन बरामद की है। यह कार्रवाई स्पेशल सेल की गश्त और गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार 25 अप्रैल को स्पेशल सेल शिमला की टीम क्षेत्र में गश्त पर थी और नशा तस्करी पर रोक लगाने के लिए निगरानी कर रही थी। इसी दौरान उन्हें विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ढली टनल की ओर बैग में नशे का सामान लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संजौली थाना क्षेत्र के समिट्री ढली टनल रोड पर एक रेस्टोरेंट के पास नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को रोका और उससे पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपनी पहचान रुब्बल जदैईक पुत्र बलबीर जदैईक, निवासी गाँव पंदरोग, डाकघर पुड़ग, तहसील कोटखाई, जिला शिमला, उम्र 32 वर्ष के रूप में बताई। गवाहों की मौजूदगी में उसके बैग की तलाशी ली गई, तो छुपाकर रखी गई हेरोइन बरामद हुई।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

दो टूक जनता की राय के बिना अगर स्टेशन को स्थानांतरित किया जाता है तो यह विश्वासघात होगा

पठानकोट-जोगिंद्र नगर रेल ट्रैक पर रेलगाड़ियों की आवाजाही सुचारू करने को सांसद अनुराग ने केंद्रीय रेल मंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर पठानकोट से जोगिंदर नगर तक रेल गाड़ियों को सुचारू रूप से शुरू करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि पठानकोट जोगिंदर रेल लाइन प्रदेश के तीर्थ स्थान और अन्य क्षेत्रों के लिए आगमन का एक सबसे महत्वपूर्ण साधन है और इन गाड़ियों के संचालन न होने से पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय जनता को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पठानकोट स्थित रेलवे स्टेशन को डलहौजी रोड की ओर शिफ्ट करने की प्रक्रिया का भी जिला कांगड़ा कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने कड़ा विरोध किया है।

रविवार को जारी एक प्रेस बयान में अनुराग शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया और समाचारों में यह चर्चा चल रही है कि भाजपा सांसद और रेल राज्य मंत्री रविंद्र सिंह बिट्टू द्वारा पठानकोट रेलवे स्टेशन को डलहौजी रोड की ओर शिफ्ट किया जा रहा है।

अनुराग शर्मा ने कहा कि पठानकोट, कांगड़ा घाटी रेलवे का मुख्य स्टेशन रहा है और दशकों से चल रहे स्टेशन को हटाना इस रूट की रीढ़ की हड्डी तोड़ने जैसा होगा। उन्होंने कहा कि जनता की राय के बिना अगर स्टेशन को स्थानांतरित किया जाता है तो यह जनता के साथ एक विश्वासघात होगा। अनुराग शर्मा ने कहा कि यह रेलवे स्टेशन बरसों से हिमाचल के लोगों के लिए दिल्ली, पंजाब व अन्य भागों तक पहुंचाने का सबसे प्रमुख एवं सुविधाजनक केंद्र रहा है और यदि रेलवे स्टेशन डलहौजी रोड शिफ्ट किया गया तो हिमाचल के यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि रात्रि के समय में डलहौजी रोड से अगर गाड़ी पकड़नी होगी तो उसे दिल्ली जाने के लिए अनावश्यक रूप से टैक्सी या निजी वाहन में अन्य स्थान पर जाना पड़ेगा जिससे लोगों को भारी परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को भी केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के समक्ष शीघ्र उठाया जाएगा। अनुराग शर्मा ने कहा कि पठानकोट में यदि रेलवे फाटकों के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या है तो उसका समाधान स्टेशन शिफ्ट करके नहीं बल्कि फ्लाईओवर और अंडरपास बनाकर किया जाना चाहिए। शर्मा ने कहा कि यह विषय केवल रेलवे का ही नहीं बल्कि हिमाचल की जनता के सम्मान, अधिकार और सुविधा का भी प्रश्न है और यदि यह निर्णय लागू हुआ तो जनता में भारी रोष होना स्वाभाविक है।

मंडाविया ने श्रीनगर में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई

श्रीनगर। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने रविवार को कहा कि अगर भारत को एक विकसित राष्ट्र बनना है, तो देश के नागरिकों को शारीरिक रूप से फिट होना होगा। युवा मामले और खेल मंत्रालय की ओर से आयोजित तीन दिवसीय चिंतन शिविर के लिए यहां आए मंडाविया ने डल झील के तट पर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि संडे ऑन साइकिल फिटनेस का संदेश है। अगर भारत को एक विकसित देश बनना है, तो नागरिकों को फिट रहना होगा। जब नागरिक फिट होंगे तो समाज स्वस्थ होगा। केवल एक स्वस्थ समाज ही भारत को विकसित राष्ट्र बना सकता है। मंत्री ने कहा कि फिटनेस के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश भर में 16,000 स्थानों पर 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब से श्रीनगर में हमारे युवा हर रविवार को साइकिल चलाकर फिट इंडिया का संदेश देंगे।

खेल मंत्री गौरव गौतम ने श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर में हरियाणा का प्रभावशाली प्रतिनिधित्व किया

क्लीन एंड सेफ स्पोर्ट्स पर दिया विशेष जोर, सभी राज्यों को 2036 ओलंपिक में 70 पदक जीतने का आह्वान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा श्रीनगर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर में हरियाणा राज्य की ओर से खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री गौरव गौतम ने राज्य का गरिमामय प्रतिनिधित्व किया।

यह शिविर केंद्रीय खेल मंत्री श्री मनसुख मांडवीय और राज्य मंत्री श्री रक्षा खड़से की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

श्री गौरव गौतम ने शिविर के दौरान सभी प्रतिनिधियों को कहा कि हरियाणा, जो देश की मात्र ढाई प्रतिशत आबादी वाला राज्य है, फिर भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 प्रतिशत से अधिक पदक जीतने में सफल रहा है। उन्होंने इसके पीछे खिलाड़ियों की अथक मेहनत, लगन और हरियाणा सरकार की दूरदर्शी खेल नीतियों को प्रमुख कारण बताया।

खेल मंत्री ने कहा कि हमारा सदैव का नारा रहा है – ह्यदेशां में देश हरियाणा, जित दूध दही का खानाह्ल। हमारा खिलाड़ी हमेशा ड्रग्स और नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन का प्रतीक बना है।

उन्होंने सभी राज्यों के मंत्रियों एवं अधिकारियों से अपील की कि खिलाड़ियों को 10-12 वर्ष की आयु से ही डोपिंग के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाए। साथ ही उन्होंने खेल जगत के सभी स्टेकहोल्डर्स से आग्रह किया कि खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ उपलब्ध कराने वाले गिरोहों पर सख्त कार्रवाई की जाए। श्री गौरव गौतम ने हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन ओलंपिक-2036ः विजयीभव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह देश की पहली दस वर्षीय खेल योजना है, जिसके तहत हरियाणा के एक हजार से अधिक प्रतिभावान खिलाड़ियों को ओलंपिक स्तर की तैयारी कराई जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2036 के ओलंपिक में हरियाणा कम से कम 36 पदक देश की झोली में डालेगा।

हरियाणा के खेल मंत्री ने सभी राज्यों के खेल मंत्रियों को कहा कि आइए हम सब मिलकर टोक्यो ओलंपिक में देश द्वारा जीते गए 7 पदकों को 2036 तक बढ़ाकर कम से कम 70 पदक करने का संकल्प करें। यह आान पूरे देश में खेल संस्कृति को नई ऊर्जा देने वाला साबित होगा।

शिविर के अंतिम दिन हरियाणा सरकार द्वारा तैयार की गई विशेष शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस फिल्म में हरियाणा की खेल नर्सरियों, खिलाड़ी बीमा योजना, कैश अवार्ड पॉलिसी, खिलाड़ी नौकरी कोटा और भविष्य की खेल योजनाओं को विस्तार से दिखाया गया। फिल्म ने सभी राज्यों के मंत्रियों और अधिकारियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। केंद्रीय खेल मंत्री श्री मनसुख मांडवीय ने हरियाणा की खेल नीतियों और खिलाड़ियों की उपलब्धियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों को भी केंद्र सरकार के समन्वय से हरियाणा की तर्ज पर अपनी खेल नीतियों को मजबूत करना चाहिए।

शिविर में देशभर के खेल मंत्रियों एवं अधिकारियों ने नई खेल नीति-2025 और स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट के अनुरूप भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। सभी ने सहमति जताई कि जल्द ही हर राज्य भारत सरकार की खेल नीति के अनुरूप अपने यहां खिलाड़ियों के विकास के लिए ठोस कदम उठाएगा।

पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपी चंद गहलोत के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुरुग्राम में स्थित विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर श्री गोपी चंद गहलोत के निवास स्थान पर पहुंचकर उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि स्वर्गीय श्री गोपी चंद गहलोत का सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है और उनका निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवार को इस दुख की घड़ी में सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

भगवान परशुराम के विचारों से मजबूत होगी सनातन संस्कृति : डॉ. अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम जी की जयंती पूरे देश में बड़े धूमधाम से मनाई जा रही है। भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और वे किसी एक वर्ग विशेष के नहीं, बल्कि पूरे समाज के आराध्य हैं। उन्होंने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करते हुए सर्व समाज के हित में कार्य किया। उनके विचारों से सनातन संस्कृति को और अधिक मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाजहित में कार्य कर रहे हैं, जिससे सनातन संस्कृति सशक्त हुई है।

डॉ. अरविंद शर्मा रविवार को कैथल स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने भगवान परशुराम मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को देखा और सुना।

डॉ. शर्मा ने कहा कि गोवा भगवान परशुराम की कर्मस्थली मानी जाती है। उनके जन्मस्थान को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा एक शोध पीठ का गठन किया गया था, जिसमें विद्वानों ने अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि भगवान परशुराम का जन्म इंदौर के निकट जानापाव स्थल पर हुआ था। यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए दर्शन योग्य है। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश में भगवान परशुराम कुंड भी स्थित है। गोवा में सात दिन तक चलने वाली कथा का आयोजन पंडित दलीप शास्त्री द्वारा किया जाता है। ऐसी कथाओं का आयोजन हरियाणा में भी होना चाहिए, ताकि लोगों को भगवान परशुराम के जीवन और आदर्शों का व्यापक ज्ञान मिल सके। जिला स्तर पर भी इस प्रकार के आयोजन किए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है और वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा बढ़ी है। सनातन संस्कृति को सुदृढ़ करने के साथ-साथ देश में एकजुटता भी बढ़ी है। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा पात्र व्यक्तियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से पहुंचाया जा रहा है। अब नौकरियां योग्यता के आधार पर मिल रही हैं बिना खर्ची, बिना पर्ची। सभी वर्गों के युवाओं को बिना भेदभाव के अवसर मिल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि रोहतक के पहरावर में स्थित गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी संस्था देश की प्रमुख संस्थाओं में से एक है, जिसके लिए हरियाणा सरकार ने साढ़े 15 एकड़ भूमि प्रदान की है। इसकी सदस्यता के लिए पंजीकरण जारी है। बजट सत्र में चार एकड़ भूमि पर भगवान परशुराम स्मृति स्थल पर संग्रहालय निर्माण का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दे दी है। इसके निर्माण के बाद देश-विदेश से लोग देखने आएंगे।

डॉ. शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार भगवान परशुराम के नाम पर 900 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज का निर्माण कर रही है। भिवानी स्थित नेकी राम शर्मा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हो चुकी है। इसके अतिरिक्त झज्जर, करनाल, पानीपत सहित कई स्थानों पर भगवान परशुराम के नाम से भवन और चौक विकसित किए जा रहे हैं। कैथल में भी भगवान परशुराम चौक का शुभारंभ किया गया है। सरकार सबका साथ, सबका विकास की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने ब्राह्मण धर्मशाला, कैथल के लिए पूर्व घोषणा के 26 लाख रुपये के साथ-साथ 11 लाख रुपये की नई राशि देने की घोषणा भी की।

संक्षिप्त-समाचार

नारनौल में सड़क हादसे में युवक की मौत

नारनौल। नारनौल में शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और तीन साल का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मृतक की पहचान गांव अकबरपुर रामू निवासी साहिल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, साहिल अपनी पत्नी उषा भारती (25) और तीन वर्षीय बेटे इशान के साथ बाइक पर सवार होकर अपनी ससुराल राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गांव सागा जा रहा था। जब वे नेशनल हाईवे पर बलाहां गांव से आगे राजस्थान सीमा के पास पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत एंबुलेंस की सहायता से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। नागरिक अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद साहिल को मृत घोषित कर दिया, जबकि उषा भारती और इशान की हालत गंभीर होने के चलते प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

फरीदाबाद में गोवंश काटे जाने की सूचना पर हंगामा

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सेक्टर-19 ओल्ड मार्केट के पास रविवार उस समय हंगामे की स्थिति बन गई जब बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना मिली कि एक दुकान के अंदर गोवंश काटा जा रहा है। सूचना मिलने के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं ने एक युवक का पीछा किया और उसके पीछे-पीछे दुकान तक पहुंच गए, जहां कथित रूप से मांस काटा जा रहा था। राष्ट्रीय बजरंग दल के वार्ड अध्यक्ष दीपक शाक्य ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि सुबह फतेहपुर तगा से कुछ लोग बाइक पर गोवंश काटकर ला रहे हैं और उसे सेक्टर-19 ओल्ड मार्केट के पास एक दुकान में रखा गया है। इस सूचना के बाद कार्यकर्ताओं ने बाइक सवार युवक का पीछा किया। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि युवक कपड़े में लिपटा हुआ मांस दुकान के अंदर ले जा रहा था। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सेक्टर-19 पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दुकान के अंदर जांच की तो वहां से काफी मात्रा में मांस बरामद हुआ। पुलिस ने मांस को कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिया और दुकान पर मौजूद दो से तीन लोगों को पूछताछ के लिए चौकी ले गई। राष्ट्रीय बजरंग दल के दीपक शाक्य ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि ओल्ड रेड लाइट से सेक्टर-19 मार्केट के पास एक दुकान में गोवंश काटकर लाया गया है। उन्होंने कहा कि मौके से काफी मात्रा में मांस बरामद हुआ है और उन्हें शक है कि यह गोवंश का मांस हो सकता है।

नारनौल में रेहड़ी पर मिला युवक का शव

नारनौल। नारनौल के रेवाड़ी रोड स्थित महावीर चौक के पास रविवार को एक रेहड़ी पर युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव का आधा हिस्सा रेहड़ी से नीचे लटका हुआ था, जिसे देखकर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। सूचना मिलते ही महावीर चौक पुलिस चौकी प्रभारी पंकज कुमार अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की और प्रारंभिक जांच की। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के अनुसार, उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की सूचना मिली थी। जांच के दौरान मृतक की पहचान कनीना क्षेत्र निवासी राजू के रूप में हुई। पहचान की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों से संपर्क कर उन्हें घटना की जानकारी दी। परिवार के सदस्यों के पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस का कहना है कि फिलहाल युवक की मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से जुड़े किसी भी सुराग तक पहुंचा जा सके।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरुग्राम शहर के विभिन्न इलाकों का दौरा कर लिया व्यवस्थाओं का जायजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुरुग्राम शहर में अलग-अलग स्थानों का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सुबह एनएच-48 और दोपहर को अशोक विहार-भीमगढ़ खेड़ी के समीप लेग-2 ड्रेन का निरीक्षण किया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा तथा पटौदी की विधायक बिमला चौधरी भी साथ रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पीडब्ल्यू रेस्ट हाउस से गुरूकमल जाते हुए एनएच-48 की सर्विस लेन पर अपना काफिला रूकवाकर सफाई, हरियाली व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गुरुग्राम में नागरिकों की सुविधा से जुड़ी किसी सेवा में कमी नहीं रहनी चाहिए। वे लगातार नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं का फीडबैक ले रहे हैं और स्वयं निरीक्षण कर जायजा लेंगे। उन्होंने सडकों के किनारे हरियाली व शहर के विभिन्न पार्कों का उचित रखरखाव करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने रविवार की दोपहर अशोक विहार-भीमगढ़ खेड़ी के समीप से गुजर रही लेग-2 ड्रेन का निरीक्षण किया। उन्होंने लेग-2 ड्रेन के गंदे पानी को साफ करने के प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए इस ड्रेन की सफाई निरंतर होनी चाहिए तथा इसके पानी के नियमित रूप से सैंपल लिया जाए। साथ ही ड्रेन के दोनों किनारों की सफाई कर इसका सुदृढ़ीकरण भी किया जाए।

इस अवसर पर डीसी उत्तम सिंह, नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया, सीपी विकास अरोड़ा व जीएमडीए और अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में सुना

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को गुरुग्राम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जन आक्रोश महिला सम्मेलन में भी शिरकत की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संवाद स्थापित करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री हर महीने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व के मुद्दों पर चर्चा करते है। सरकार की नीतियों और पहलों को नागरिकों तक पहुंचाना और उनकी प्रतिक्रिया जानना भी इसका एक महत्वपूर्ण पहलू है।

उन्होंने कहा कि 'मन की बात' प्रधानमंत्री और आम जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम है। इस कार्यक्रम के जरिए देशभर में हो रहे सकारात्मक प्रयासों, सामाजिक नवाचारों और जनभागीदारी की प्रेरक कहानियों को सामने लाया जाता है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं और समाज में मेल-जोल की भावना को बढ़ावा देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं को नवाचार, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। 'मन की बात' कार्यक्रम न केवल विचारों को दिशा देता है, बल्कि देशवासियों को विकास, सेवा और जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश भी देता है।

सरकार की अधूरी तैयारी से मंडियों में अव्यवस्था किसान-व्यापारी परेशानः कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

> वाहनों और मजदूरों की कमी से नहीं हो रहा गेंहू का उठान, सरकार के दावे फेल

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, सीडब्ल्यूसी की सदस्य एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश की अनाज मंडियों में चल रहे खरीद सीजन के दौरान उत्पन्न अव्यवस्थाएं सरकार की कमजोर और अधूरी तैयारियों को उजागर करती हैं। पूरे सीजन में किसान, व्यापारी और मंडी मजदूर सभी वर्ग लगातार परेशान हो रहे हैं, जो अत्यंत गंभीर स्थिति है। सरकार की ओर से किए जा रहे सभी दावे फेल हो चुके है, सरकार दावे पर दावे करे जा रही है और किसान मंडी में धक्के खा रहा है। यहां जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार द्वारा मेरी फसल मेरा ब्यौरा जैसे पोर्टल के माध्यम से सभी आंकड़े होने का दावा किया जाता है, लेकिन वास्तविकता इसके बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है। न तो उत्पादन के सही आंकड़े उपलब्ध थे और न ही मंडियों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। परिणामस्वरूप कहीं मजदूरों की कमी रही, तो कहीं उठान में देरी और अव्यवस्था देखने को मिली। सांसद ने कहा कि प्रदेश में अधिकतर जिला में जिन्हें उठान का ठेका दिया गया है उनकी ओर से घोर लापरवाही की जा रही है जिसकी सरकार अनदेखी कर रही है। मंडियों में न तो फसल के उठान के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रक है, अधिकतर मंडी में वाहनों की कमी के चलते उठान नहीं हो पा रहा है। दूसरी ओर मंडियों में मजदूरों की संख्या में कमी देखी जा रही है, इस कमी के चलते भी गेंहू की सफाई, भराई, सिलाई और उसका उठान प्रभावित हो रहा है। साथ ही, किसानों के भुगतान में भी अनावश्यक देरी की शिकायतें लगातार सामने आई हैं। कभी पोर्टल आईडी, कभी व्हाट्सएप प्रक्रिया और कभी जे-फार्म जैसी औपचारिकताओं के कारण भुगतान समय पर नहीं हो पा रहा।

1857 के शहीदों को मिलेगा सम्मान, अंबाला में निर्मित आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का जल्द होगा उद्घाटनः अनिल विज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने आशा व्यक्त की कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति में अंबाला छावनी में निर्मित हो रहे भव्य शहीद स्मारक का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी शीघ्र करेंगे। इस स्मारक के खुलने के बाद देशभर के लोग यहां आकर उन अनसुने वीरों (अनसंग हीरोज) की गाथाओं को जान सकेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे। श्री विज अंबाला छावनी स्थित प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुनने के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज के मन की बात कार्यक्रम में वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख किया, जो अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस ऐतिहासिक संग्राम की स्मृति में अंबाला छावनी में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से एक भव्य शहीद स्मारक का निर्माण किया गया है। इसमें 10 मई 1857 से शुरू हुए स्वतंत्रता संग्राम और देशभर में हुए संघर्षों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। अंबाला, मेरठ, झांसी, कश्मीरी गेट सहित विभिन्न स्थानों पर लड़ी गई लड़ाइयों तथा रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे जैसे महान योद्धाओं के योगदान को भी इसमें दशार्या गया है।

उन्होंने कहा कि 1857 के कई वीरों को इतिहास में उचित पहचान और श्रद्धांजलि नहीं मिल सकी। इसी को ध्यान में रखते हुए इस स्मारक में विशेष श्रद्धांजलि स्थल भी बनाया गया है, जहां लोग उन शहीदों को नमन कर सकेंगे, जिन्हें अब तक पर्याप्त सम्मान नहीं मिल पाया। श्री विज ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि मई का महीना 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाता है। उन्होंने मां भारती की वीर संतानों को नमन करते हुए युवाओं, विशेषकर स्कूली बच्चों से आान किया कि वे अपनी छुट्टियों का सदुपयोग करें और कुछ नया सीखने का प्रयास करें।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रातः 11 बजे मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद करते हैं और विभिन्न विषयों पर प्रेरणादायक विचार सांझा करते हैं। इस बार उन्होंने न्यूक्लियर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बांस उद्योग को बढ़ावा देने का भी आान किया।

उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने बांस को पेड़ की श्रेणी से अलग कर दिया है, जिससे इस क्षेत्र में नवाचार और उद्योग को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से उत्तर-पूर्व भारत में बांस उद्योग को सशक्त बनाने के लिए लोगों से बांस से बने उत्पादों को अपनाने की अपील की। श्री विज ने भी लोगों से आग्रह किया कि वे बांस से बने उत्पादों की खरीद कर इस उद्योग को प्रोत्साहित करें, जिससे उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विकास को बल मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री ने मन की बात में गणित ओलंपियाड में भारतीय विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया तथा महात्मा बुद्ध के विचारों को भी सांझा किया। श्री विज ने कहा कि महात्मा बुद्ध का संदेश आत्म-अनुशासन पर आधारित है-पहले स्वयं पर शासन करें, फिर दूसरों का मार्गदर्शन करें। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

श्री विज ने देशवासियों से आान किया कि वे मन की बात कार्यक्रम को नियमित रूप से सुनें और अपने जीवन का कुछ समय निकालकर इससे प्रेरणा प्राप्त करें, क्योंकि यह कार्यक्रम देश की उपलब्धियों, नवाचारों और सकारात्मक पहलुओं से लोगों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

संपादकीय

स्वदेशी शक्ति की नई उड़ान: परमाणु और पवन ऊर्जा में भारत का ऐतिहासिक कदम

भारत के ऊर्जा इतिहास में 26 अप्रैल 2026 का दिन एक विशेष अध्याय के रूप में दर्ज हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को दो महत्वपूर्ण उपलब्धियों से परिचित कराया – एक ओर तमिलनाडु के कल्पक्कम स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर की 'क्रिटिकैलिटी' की सफलता, और दूसरी ओर देश की पवन ऊर्जा क्षमता का 56 गीगावाट का ऐतिहासिक आँकड़ा पार करना। इन दोनों उपलब्धियों ने एक साथ यह सिद्ध कर दिया कि भारत आज ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर हो रहा है, बल्कि वैश्विक मंच पर एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में कहा कि तमिलनाडु के कल्पक्कम में स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है, और यह भारत के परमाणु ऊर्जा सफर में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। क्रिटिकैलिटी वह अवस्था होती है जब कोई रिएक्टर पहली बार एक स्वयं-संचालित परमाणु श्रृंखला प्रतिक्रिया को सफलतापूर्वक बनाए रखने में सक्षम हो जाता है – अर्थात् रिएक्टर परिचालन की दहलीज पर पहुँच जाता है। यह वह ऐतिहासिक क्षण होता है जब दशकों की मेहनत, शोध और वैज्ञानिक समर्पण एक ठोस परिणाम में बदलते हैं। 500 मेगावाट का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर 6 अप्रैल को पहली क्रिटिकैलिटी तक पहुँचा, जो देश की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस रिएक्टर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। किसी विदेशी सहायता या विदेशी नक्शे के बिना भारत के वैज्ञानिकों ने यह उपलब्धि हासिल की है, जो इसे और भी गौरवशाली बनाती है। इस रिएक्टर को थोरियम-232 का उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। ट्रांसम्यूटेशन की प्रक्रिया से थोरियम-232 को यूरेनियम-233 में परिवर्तित किया जाएगा, जो भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के तीसरे चरण को शक्ति प्रदान करेगा। यह तथ्य इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में से एक है। अब इस घरेलू संसाधन का पूर्ण उपयोग संभव होगा और भारत भविष्य में परमाणु ईंधन के लिए किसी अन्य देश पर निर्भर नहीं रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने याद किया कि उन्हें मार्च 2024 में कल्पक्कम में इस रिएक्टर की कोर लोडिंग देखने का सौभाग्य मिला था। उन्होंने उन सभी लोगों को बधाई दी जिन्होंने भारत के परमाणु कार्यक्रम में अमूल्य योगदान दिया है। यह प्रधानमंत्री की वैज्ञानिकों के प्रति उस गहरी संवेदनशीलता को दशार्ता है जो अक्सर सार्वजनिक मंचों पर कम दिखती है – उन्होंने न केवल उपलब्धि का उत्सव मनाया बल्कि उन गुमनाम वैज्ञानिकों को भी श्रेय दिया जिन्होंने दशकों तक प्रयोगशालाओं में काम किया। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर केवल बिजली उत्पन्न करने वाली मशीन नहीं है – यह भविष्य के लिए ईंधन भी बनाता है। इस ब्रीडर रिएक्टर की विशेषता यह है कि यह ऊर्जा उत्पन्न करने के साथ-साथ भविष्य के लिए नया परमाणु ईंधन भी तैयार करता है। यही कारण है कि इसे 'ब्रीडर' कहा जाता है – यह जितना ईंधन खपत करता है, उससे अधिक उत्पन्न करता है। यह तकनीक भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में स्थायी और दीर्घकालिक स्वतंत्रता की ओर ले जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के वैज्ञानिक नागरिक परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इससे औद्योगिक विकास, ऊर्जा क्षेत्र और स्वास्थ्य क्षेत्र को लाभ हुआ है। यह महत्वपूर्ण बात है कि परमाणु ऊर्जा केवल बिजलीघरों तक सीमित नहीं है – कैंसर के उपचार में रेडियोथेरेपी, कृषि में विकिरण-आधारित तकनीक, और खाद्य संरक्षण जैसे क्षेत्रों में भी परमाणु तकनीक का योगदान अतुलनीय है। परमाणु ऊर्जा की उपलब्धि के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के मोर्चे पर भी भारत ने एक बड़ी छलांग लगाई है। भारत की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावाट को पार कर गई है। केवल पिछले एक वर्ष में ही लगभग 6 गीगावाट की नई क्षमता जोड़ी गई है। यह आँकड़ा अपने आप में एक कीर्तिमान है। औसतन, प्रतिदिन लगभग 16 मेगावाट नई पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई – यह गति किसी भी विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए असाधारण है। भारत अब पवन ऊर्जा क्षमता में दुनिया में चौथे स्थान पर है। गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्य इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। गुजरात के कच्छ, पाटन और बनासकांठा जैसे क्षेत्रों में बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित हो रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि राजस्थान – जो परंपरागत रूप से मरुस्थलीय राज्य के रूप में जाना जाता था – आज देश की हरित ऊर्जा क्रांति का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। यहाँ की बंजर भूमि अब हजारों पवन चक्कियों से आबाद है जो लाखों घरों को रोशन कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने संतोष व्यक्त किया कि युवाओं को इस क्षेत्र में नए अवसर और रोजगार के द्वार मिल रहे हैं। यह एक ऐसा पहलू है जिसे अक्सर ऊर्जा नीति की चचार्ओं में नजरअंदाज कर दिया जाता है। पवन टर्बाइन की स्थापना, रखरखाव, ग्रिड प्रबंधन, सॉफ्टवेयर विश्लेषण और विनिर्माण – इन सभी क्षेत्रों में कुशल युवाओं की माँग तेजी से बढ़ रही है। हरित ऊर्जा क्षेत्र आज भारत के सबसे तेजी से बढ़ते रोजगार क्षेत्रों में से एक है। प्रधानमंत्री ने देश को बिजली बचाने और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह केवल पर्यावरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि हमारे भविष्य को सुरक्षित करने का मामला है, और इसमें हम सभी की भूमिका है। यह संदेश उन लाखों नागरिकों तक पहुँचना जरूरी है जो यह सोचते हैं कि ऊर्जा नीति केवल सरकार का काम है। सच यह है कि जब तक आम नागरिक अपने घरों में LED बल्ब लगाएगा, अनावश्यक बिजली बंद करेगा और सोलर पैनल अपनाएगा – तब तक राष्ट्रीय लक्ष्य अधूरे रहेंगे। कल्पक्कम का फास्ट ब्रीडर रिएक्टर और 56 गीगावाट पवन ऊर्जा – ये दोनों उपलब्धियाँ मिलकर एक बड़े संदेश को रेखांकित करती हैं। भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि ऊर्जा प्रौद्योगिकी का निमार्ता और नेता बनने की राह पर है। स्वदेशी परमाणु तकनीक ने यह साबित किया है कि भारत के वैज्ञानिक दुनिया के किसी भी देश से कम नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे प्रयास देश के हर स्तर पर आवश्यक हैं, क्योंकि ये ही वे प्रयास हैं जो गहरा और स्थायी परिवर्तन लाते हैं। ऊर्जा स्वतंत्रता केवल बिजली का मामला नहीं है – यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्वायत्तता और भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर कल की नींव है। इस दृष्टि से देखें तो कल्पक्कम की यह क्रिटिकैलिटी केवल एक रिएक्टर की नहीं, बल्कि एक नए और आत्मनिर्भर भारत की क्रिटिकैलिटी है।

अमेरिका-ईरान युद्ध: ट्रंप के लिए निगलते बने, न उगलते

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (हि.स)

भारत के खिलाफ हालिया टिप्पणी और उससे पलटने से यह साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी सनक या आवेग में बिना सोचे-समझे टिप्पणी या निर्णय करते हैं और उससे पलटने में देरी भी नहीं करते। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर रेडियो होस्ट की टिप्पणी भारत और चीन को नरक का द्वार को रीपोस्ट करके विवादों में आ गए और भारत के कड़े विरोध और अमेरिका में ही पक्ष-प्रतिपक्ष की प्रतिक्रियाओं एवं नस्लीय टिप्पणी देखते हुए भारत को महान और दोस्त देश बताने में भी देरी नहीं की। ट्रंप ने हाल के महीनों में यह सिद्ध कर दिया है कि इतिहास में उनकी तरह का आवेश में निर्णय लेने, फिर उसके परिणामों से समूचे विश्व को संकट में डालने वाला दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा। हिटलर या मुसोलिनी जैसे तानाशाहों के उदाहरण दिए जाते हैं पर ट्रंप इन सबसे अलग हैं। दुनिया के देशों को डराने-धमकाने और अपने ही निर्णयों से पलटने वाला उनके जैसा राष्ट्राध्यक्ष ढूंढने से भी नहीं मिलेगा।

एक बात ट्रंप को समझ लेनी चाहिए कि केवल अमेरिका फर्स्ट के नारे से दुनिया नहीं चल सकती। यही कारण है कि आज दुनिया के करीब-करीब सभी देश ट्रंप से गले तक भर आये हैं। अमेरिकी-ईरान युद्ध के चलते आज दुनिया के सामने संकट का जो दौर आया है उससे अमेरिका भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। एक तरफ ईंधन का संकट आ रहा है तो तनाव के चलते व्यापार प्रभावित हो रहा है, आने वाले समय में खाद्यानों सहित दवा व अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी से भी दुनिया के देशों को दो-चार होना पड़ जाएगा। ट्रंप की रणनीति समझ से परे इस मायने में भी हो जाती है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक साथ अनके मोर्चे खोल लिए हैं और इजरायल की बात छोड़ भी दी जाए तो दुनिया का कोई देश आज ट्रंप की नीतियों, टिप्पणियों और गीदड़ धमकियों का पक्षधर नहीं हो सकता।

दरअसल, आज ट्रंप ने समूची दुनिया को तनाव के दौर में धकेल दिया है। करीब सवा साल के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका और दुनिया के देशों में अपनी स्वीकार्यता के सबसे निचले पायदान पर पहुंच चुके हैं। ईरान से टकराव के बाद केवल एक माह में ही स्वीकार्यता में दस प्रतिशत की गिरावट स्वयं सोचने को मजबूर कर देना चाहिए। अप्रैल की ताजा रिपोर्टस की बात की जाए तो न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार 39 प्रतिशत, रॉयटर के अनुसार 36 प्रतिशत और एपी के अनुसार 33 प्रतिशत वैश्विक स्वीकार्यता रह गई है। यदि अमेरिका की बात करें तो आर्थिक नीतियों के चलते असंतोष मुखर होता जा रहा है। अधिकांश अमेरिकी, ईरान संघर्ष को लेकर भी ट्रंप की निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप की नीतियां अमेरिका सहित दुनिया के देशों में अस्थिरता और तनाव पैदा करने वाली हैं।

ईरान को तबाह करने की घोषणा, ईरान के विद्युत एवं ऑयल संयत्रों को नष्ट करने की धमकी, हार्मुज जलडमरुमध्य को लेकर धमकी, फिर सीजफायर की बात करना और ईरान द्वारा समझौते की टेबल पर सकारात्मकता नहीं होने की स्थिति में अमेरिका की लगातार हेठी हो रही है। देखा जाए तो रुस-यूक्रेन युद्ध को हवा देने और फिर जेलेंस्की को धमकाने व जेलेंस्की की अमेरिका में ही ठेंगा दिखाना, अमेरिका के लिए कम शर्मनाक नहीं रहा। नाटों से हटने की धमकी, वेनेजुएला पर आक्रमण और वहां के राष्ट्राध्यक्ष के साथ व्यवहार, चीन के साथ व्यापार युद्ध, भारत को बार-बार टैरिफ गीदड़ भभकी, कनाडा का अमेरिका का राज्य घोषित करने, ग्रीनलैण्ड हथियाने का प्रयास, गाजा पट्टी, क्यूबा आदि से संबंधित ट्रंप की सभी भभकियां अबतक बेमानी साबित हुई है। उल्टे इन सबसे अमेरिका और ट्रंप की विश्वसनीयता में ही कमी आई है।

सवाल यह उठने लगा है कि अमेरिकी गीदड़ भभकियों का कुछ असर भी रहेगा या नहीं। क्योंकि आज छोटे-से-छोटे देश को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। आज यदि जंग छेड़ते हैं तो दो-चार दिन में फैसला हो जाएगा, यह सोचना गलत है। इसका उदाहरण रुस-यूक्रेन तो है ही अब ताजा उदाहरण अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष को देखा जा सकता है। लंबी जंग लड़ने की स्थिति में दुनिया का कोई देश नहीं है। आज ईरान से संघर्ष संघर्ष में अमेरिका को अधिक हानि उठानी पड़ रही है। ट्रंप ऐन-केन प्रकारेण जंग रुकवाने व सीजफायर के प्रयास कर रहे हैं। पर ट्रंप को यह सोच लेना चाहिए कि डर या धमकियों से नतीजा नहीं निकलने वाला है। दूसरा, ट्रंप के ट्रैक रिकार्ड को देखते हुए उनकी कही गई किसी भी बात पर लंबे समय तक विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए ट्रंप को पहले विश्वसनीयता बनाने के ठोस प्रयास करने होंगे। दुनिया के देशों को विश्वास में लेना होगा। नहीं तो दुनिया के हालात दिन-प्रतिदिन गंभीर होने हैं और इसके लिए ट्रंप को इतिहास माफ नहीं करने वाला।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए: किसानों, युवाओं, नौकरियों और विकास के लिए महिलाओं के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक समझौता

पीयूष गोयल

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), जिस पर सोमवार को हस्ताक्षर किये जायेंगे, विकसित दुनिया के साथ भारत की सहभागिता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को किसानों, महिलाओं, युवाओं और रोजगार सृजक उद्योगों के लिए ठोस लाभ में बदलने से जुड़े प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण में हुई निर्णायक प्रगति को प्रतिबिंबित करता है।

यह एफटीए प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं, जिसमें यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय संघ शामिल हैं, के साथ हुए कई ऐतिहासिक व्यापार समझौतों के बाद हो रहा है। ये समझौते वैश्विक बाजारों में भारत की स्थिति को मजबूत करते हैं और निर्यातकों को दुनिया की कुछ सबसे लाभकारी अर्थव्यवस्थाओं में, यहां तक कि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितता और उथल-पुथल के बीच भी, प्रतिस्पर्धा आधारित बढ़त प्रदान करते हैं।

निर्यात और रोजगार को मजबूत बढ़ावा

दोनों पक्षों के लिए समान रूप से लाभकारी इस समझौते के केंद्र में न्यूजीलैंड की यह प्रतिबद्धता है कि वह तुरंत ही सभी भारतीय उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा, जिससे उस बाजार में एक महत्वपूर्ण बाधा दूर होगी, जहाँ हमारे प्रमुख निर्यात पर वर्तमान में 10% शुल्क लगाया जाता है।

यह वस्त्र, कालीन, धागे, कपड़े, फुटवियर, बैग, बेल्ट, वाहन घटक, मशीनरी, उपकरण, रत्न और आभूषण तथा हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाले ये उद्योग भारत के एमएसएमई इकोसिस्टम की रीढ़ हैं और इन्हें मूल्य प्रतिस्पर्धा और बाजार पहुँच से लाभ मिलेगा। इससे निर्यात बढ़ेगा और निर्माण केन्द्रों, कारीगर समुदायों और लघु उद्यमों में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा।

यह समझौता उस व्यापक दर्शन को प्रतिबिंबित करता है, जो 2014 में मोदी सरकार के गठन के बाद से भारत की व्यापार नीति का मार्गदर्शन कर रहा है। यह समावेश, सशक्तिकरण और साझा समृद्धि में निहित है। व्यापार को राष्ट्रीय परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखा जाता है, जो किसानों, श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं और वंचित समुदायों को लाभ पहुंचाता है।

नारी शक्ति

इस समझौते की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत का पहला महिला-नेतृत्व वाला एफटीए है। वार्ता टीम की लगभग सभी सदस्य महिलायें थीं। इनमें मुख्य वातार्कार, उप मुख्य वातार्कार, क्षेत्र प्रमुख और न्यूजीलैंड में भारत की राजदूत शामिल हैं।

यह उपलब्धि मोदी सरकार में महिलाओं के बढ़ते महत्व को दशार्ती है। यह शासन, नेतृत्व और विभिन्न क्षेत्रों में निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के व्यापक प्रयासों के अनुरूप है और राष्ट्रीय विकास के संचालक के रूप में नारी शक्ति के विचार को सुदृढ़ करती है।

किसान पहले

एफटीए की संरचना कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गयी है। न्यूजीलैंड कीवी, सेब और शहद के लिए कृषि उत्पादकता कार्ययोजनाओं का समर्थन करेगा। इन पहलों में बेहतर बीज सामग्री, अनुसंधान सहयोग, किसानों के लिए क्षमता निर्माण, बागवानी प्रबंधन प्रथाएं, कटाई के बाद सुधार, खाद्य सुरक्षा प्रणाली और उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना शामिल है। सेब उत्पादकों और सतत मधुमक्खी पालन तौर-तरीकों के लिए परियोजनाएं उत्पादन और गुणवत्ता मानकों को बढ़ाएंगी, जिससे कृषि समृद्धि में वृद्धि होगी।

इसके साथ ही, भारत ने अपने प्रमुख कृषि हितों की मजबूती से सुरक्षा की है। डेयरी उत्पादों (जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही और पनीर); प्याज, चना, मटर, मकई, बादाम, चीनी और कुछ खास तेल और वसा जैसी संवेदनशील वस्तुओं को शुल्क छूट से बाहर रखा गया है। समझौता सुनिश्चित करता है कि घरेलू किसान हानिकारक आयात प्रतिस्पर्धा से सुरक्षित रहें। किसानों और मछुआरों के हितों की रक्षा करना सभी व्यापार वाताओं में भारत के दृष्टिकोण का केंद्र रहा है।

युवा और पेशेवर

समझौते का एक प्रमुख स्तंभ छात्रों और कुशल पेशेवरों के लिए बढ़ी हुई आवागमन की सुविधा है, जो भारत के युवाओं के लिए नए वैश्विक मार्ग का निर्माण करती है।

किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते में पहली बार, न्यूजीलैंड ने भारतीय छात्रों के आवागमन और अध्ययन के बाद काम करने के अवसरों के लिए एक संरचना-युक्त रूपरेखा पेश की है। भारतीय छात्रों पर कोई संख्यात्मक सीमा नहीं है। छात्रों को अध्ययन के दौरान प्रति सप्ताह कम से कम 20 घंटे काम करने की अनुमति दी जाएगी, जबकि अध्ययन के बाद काम करने के अधिकार - एसटीईएम स्नातकों के लिए तीन वर्षों तक और डॉक्टर डिग्री के शोधार्थियों के लिए चार वर्षों तक - बढ़ाए गये हैं।

समझौता किसी भी समय 5,000 भारतीय पेशेवरों तक के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा मार्ग पेश करता है, जिसके तहत आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, निर्माण तथा योग, आयुर्वेद, भारतीय व्यंजन और संगीत शिक्षा जैसे चयनित पारंपरिक क्षेत्रों में तीन वर्षों तक रहने की अनुमति होगी।

इसके अलावा, एक वर्किंग हॉलीडे वीजा योजना प्रत्येक वर्ष 1,000 युवा भारतीयों को न्यूजीलैंड में 12 महीने तक रहने और काम करने की अनुमति देगी, जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और वैश्विक अनुभव को मजबूती मिलेगी।

निवेश और नवाचार

न्यूजीलैंड ने भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इससे विनिर्माण, अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सेवाओं, नवाचार इकोसिस्टम और रोजगार सृजन को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक 'पुनसंर्तुलन खंड' शामिल किया गया है, जिससे भारत को यह अधिकार मिलता है कि यदि निवेश संबंधी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं होतीं हैं, तो वह सुधारात्मक कदम उठा सकता है। यह समझौता अनुसंधान, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और नवाचार-आधारित क्षेत्रों में सहयोग को भी बढ़ावा देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि दीर्घकालिक विकासात्मक साझेदारियों में व्यापार पूरक भूमिका निभाएगा।

व्यापार रणनीति

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ साझेदारी करने की स्पष्ट और भरोसेमंद व्यापार रणनीति को प्रतिबिंबित करता है, जो भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए सार्थक बाजार पहुँच की सुविधा देता है और घरेलू संवेदनशीलताओं का सम्मान करता है।

आज भारत ताकत और विश्वसनीयता की स्थिति के साथ वार्ता करता है। पहले के दशकों में व्यापार समझौतों को अक्सर संवेदनशील क्षेत्रों को अपर्याप्त सुरक्षा दिए बिना अंतिम रूप दिया जाता था, इसके विपरीत वर्तमान वाताएं सुनिश्चित करती हैं कि कृषि, डेयरी और अन्य संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित रहें।

जैसे-जैसे भारत विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ अपनी सहभागिता को प्रगाढ़ कर रहा है, विकसित दुनिया के साथ हुए व्यापार समझौते इस तथ्य का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं कि व्यापार नीति को कैसे राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के साथ संरेखित किया जा सकता है, जिससे विकसित भारत 2047 का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में समावेशी वृद्धि और दीर्घावधि आर्थिक सुदृढ़ता सुनिश्चित होती है।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

आज का राशिफल

मेष: करियर से जुड़े निर्णयों में असमंजस बना रह सकता है। छोटे बच्चों की सेहत पर विशेष ध्यान दें, मौसम बदलने से परेशानी हो सकती है। परिवार के साथ किसी जरूरी चर्चा या मीटिंग में शामिल होना पड़ सकता है। प्रॉपर्टी या रियल एस्टेट से जुड़े कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: कार्यक्षेत्र में बातचीत करते समय संयम रखें, अन्यथा विवाद की स्थिति बन सकती है। परिवार के कुछ सदस्य आपकी बातों से असंतुष्ट दिख सकते हैं। विवाह या रिश्तों से जुड़े मामलों में जल्दबाजी नुकसानदायक हो सकती है। व्यापार में अचानक निर्णय लेने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

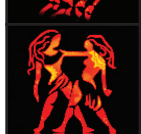
मिथुन: सामाजिक स्तर पर आपका सम्मान बढ़ेगा और लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। शाम के समय घर में मेहमानों का आगमन संभव है। बच्चों की उपलब्धियां आपको गर्व का एहसास कराएंगी। व्यापार में लाभ मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराने कर्ज चुकाने में सहूलियत मिलेगी। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: कमीशन या डील से जुड़े कामों में लाभ मिलने के संकेत हैं। पुराने मित्रों से बातचीत कर मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में ध्यान देने की आवश्यकता है। खरीदारी करते समय बजट का ध्यान रखें। सामाजिक और सेवा कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

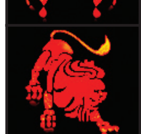
सिंह: नई योजनाओं को लेकर उत्साह बना रहेगा। दूसरों की समस्याओं को सुलझाने में आपकी भूमिका अहम हो सकती है। अनुभवी और विद्वान लोगों के साथ संपर्क मजबूत होगा। आय में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सामंजस्य बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: आज मन कुछ अस्थिर रह सकता है। बच्चों को गलत संगत से दूर रखने की जरूरत है। अपनी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पाने से निराशा हो सकती है। गुप्त विरोधियों से सावधान रहें। नकारात्मक आदतों और गलत प्रवृत्तियों से दूरी बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

तुला: दाम्पत्य जीवन में चल रही गलतफहमियों को दूर करने के लिए अनुकूल दिन है। धर्म और आध्यात्म के प्रति झुकाव बढ़ेगा। भविष्य की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। सूझबूझ से आप समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: जिम्मेदारियों से पीछे हटने की बजाय उन्हें निभाने का प्रयास करें। बच्चों का प्रदर्शन पढ़ाई में बेहतर रहेगा। अपनी कीमती वस्तुओं का ध्यान रखें। कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। नई नौकरी के अवसर मिलने की संभावना है। युवा अपने प्रेम का इजहार कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: अधिकारियों के साथ संबंधों को बिगड़ने न दें। किसी परिजन से विवाद हो सकता है। बाहर जाते समय आवारा पशुओं से सावधान रहें। वैवाहिक जीवन को समय देना जरूरी है। घर के बुजुर्ग की सेहत चिंता का कारण बन सकती है। पहले कही गई बात सामने आ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: कार्यस्थल पर आपको अपेक्षित सम्मान नहीं मिल पाएगा। अच्छा साहित्य पढ़ना आपके मन को शांति देगा। परिवार में किसी मुद्दे पर विवाद हो सकता है। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें। महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो सकती है, इसलिए लापरवाही न करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। *(सिटी दर्पण)*

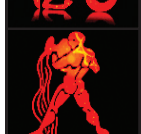
कुंभ: आप नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित रहेंगे। व्यापार में बदलाव की योजना बना सकते हैं। दूसरों की मदद करने से संतोष मिलेगा। प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों पर आरोप लग सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। मित्रों से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मीन: विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक मेहनत करनी होगी। राजनीतिक या सामाजिक विषयों पर चर्चा में समय व्यतीत हो सकता है। विदेश में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को अवसर मिल सकते हैं। अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए दिन अनुकूल है। *(सिटी दर्पण)*

मोदी मन की बात : सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम से 'फास्ट ब्रीडर' तक भारत की निर्णायक छलांग

डॉ. मयंक चतुर्वेदी (हि.स)

दुनिया इस समय अस्थिरता के ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां ऊर्जा वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। ईरान में जारी युद्ध और उसके चलते कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। महंगाई की मार हर देश झेल रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं, लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच भारत ने एक ऐसा रास्ता चुना है, जो आने वाले दशकों में उसे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बना सकता है। यह रास्ता है सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम और विशेष रूप से फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक का।

रविवार को प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम के 133वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए विज्ञान और तकनीक की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित किया। उन्होंने कहा- 'साथियो, भारत ने विज्ञान को हमेशा देश की प्रगति से जोड़कर देखा है। इसी सोच के साथ हमारे वैज्ञानिक सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके प्रयासों से यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में अहम् योगदान दे रहा है। इससे हमारी इंडस्ट्रियल ग्रोथ को, एनर्जी सेक्टर को, हेल्थकेयर सेक्टर को बहुत लाभ हुआ है। खेती किसानी से लेकर आधुनिक इनोवेटर्स को भी भारत के सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम ने बहुत मदद की है।'

प्रधानमंत्री का यह कथन वास्तव में उस व्यापक परिवर्तन की झलक है, जो भारत के वैज्ञानिक प्रयासों के कारण देश के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। परमाणु ऊर्जा अब बिजली उत्पादन से आगे कृषि में उत्पादकता बढ़ाने, चिकित्सा में कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज और उद्योगों में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन के लिए भी अहम भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि का उल्लेख किया, जिसने भारत को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान दिलाया है।

उन्होंने कहा- 'कुछ ही दिन पहले, हमारे न्यूक्लियर साइंटिस्ट ने एक और बड़ी उपलब्धि से भारत का गौरव बढ़ाया है। तमिलनाडु के कलपक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकलिटी हासिल कर ली है। दरअसल, क्रिटिकलिटी वह स्टेज है, जिसमें रिएक्टर पहली बार सेल्फ-सस्टेनिंग न्यूक्लियर चेन रिएक्शन में सफलता हासिल करता है। इस स्टेज का मतलब है रिएक्टर का ऑपरेशन फेज में पहुंचना। भारत की न्यूक्लियर एनर्जी जर्नी में यह एक ऐतिहासिक माइलस्टोन है। और बड़ी बात ये भी कि परमाणु रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित है। साथियो, इसे ब्रीडर रिएक्टर क्यों कहते हैं? इसके पीछे भी एक वजह है। यह एक ऐसा सिस्टम है, जो ऊर्जा के उत्पादन के साथ-साथ भविष्य के लिए नया ईंधन भी खुद ही तैयार करता है।'

कलपक्कम में स्थापित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) का 'क्रिटिकलिटी' स्तर तक पहुंचना किसी भी दृष्टि से साधारण उपलब्धि नहीं है। यह वह क्षण होता है, जब रिएक्टर के भीतर परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया स्थिर और नियंत्रित रूप से स्वयं चलने लगती है। यहीं से ऊर्जा उत्पादन की वास्तविक यात्रा शुरू होती है। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि भारत आज जटिल तकनीकों को समझने और विकसित करने में इतना सक्षम हो चुका है कि उसे इस दिशा में किसी अन्य देश के सहयोग की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। निश्चित ही फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक को समझना जितना जटिल है, उसका महत्व उतना ही व्यापक है।

दुनिया के कई विकसित देशों ने इस तकनीक को हासिल करने के लिए दशकों तक प्रयास किए। अमेरिका, जापान, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देशों ने इस दिशा में अरबों डॉलर खर्च किए, किंतु विभिन्न तकनीकी और आर्थिक चुनौतियों के कारण वे इस तकनीक को व्यापक स्तर पर लागू नहीं कर सके। इसके विपरीत, भारत ने सीमित संसाधनों के बावजूद इस दिशा में सफलता प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टि और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

भारत की इस सफलता के पीछे सात दशक की वैज्ञानिक यात्रा और दूरदर्शी सोच छिपी है। महान वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा ने जिस तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की नींव रखी थी, वह आज अपनी सार्थकता सिद्ध कर रहा है। इस कार्यक्रम का पहला चरण प्राकृतिक यूरेनियम से ऊर्जा और प्लूटोनियम उत्पादन पर आधारित है। दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के माध्यम से अधिक ईंधन तैयार किया जाता है, जबकि तीसरे चरण में थोरियम आधारित रिएक्टरों के जरिए दीर्घकालिक ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित किया जाता है।

यहां जान लें कि भारत के संदर्भ में थोरियम का महत्व अत्यधिक है। देश में यूरेनियम के भंडार सीमित हैं, पर थोरियम प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। विश्व के कुल थोरियम भंडार का लगभग एक चौथाई हिस्सा भारत में पाया जाता है। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक इस थोरियम को उपयोगी ईंधन में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इससे ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि तो होगी ही, साथ में भारत की विदेशी ईंधन पर निर्भरता भी कम होगी।

कलपक्कम में स्थापित 500 मेगावाट क्षमता वाला यह रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है। इसका डिजाइन और अनुसंधान भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है, जबकि निर्माण और संचालन भी देश के ही संस्थानों द्वारा किया जा रहा है। यह उपलब्धि 'आत्मनिर्भर भारत' की अवधारणा को साकार करती है और यह दशार्ती है कि भारत अब तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस परियोजना से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा भी कि 'मार्च 2024 का वह समय भी याद है, जब मैं कलपक्कम में रिएक्टर की कोर लोडिंग का साक्षी बना था। मैं उन सभी को बधाई देता हूँ, जिन्होंने, भारत के परमाणु कार्यक्रम में अपना अमूल्य योगदान दिया है। देशवासियों का जीवन बेहतर और आसान बनाने के लिए उनका यह प्रयास बहुत ही सराहनीय है। इससे विकसित भारत के हमारे संकल्प को भी एक नई ऊर्जा मिलेगी।'

आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी दोहरी चुनौतियों से जूझ रही है, तब फास्ट ब्रीडर रिएक्टर जैसी तकनीकें एक स्थायी समाधान के रूप में उभर रही हैं। भारत के लिए यह उपलब्धि एक नई ऊर्जा अर्थव्यवस्था की शुरूआत भी है। यदि आने वाले वर्षों में इस तकनीक का विस्तार किया जाता है और देशभर में ऐसे रिएक्टर स्थापित किए जाते हैं तो भारत वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता दिखेगा।

कहना होगा कि ऊर्जा के क्षेत्र में यह बदलाव भारत की आर्थिक वृद्धि, औद्योगिक विकास और सामाजिक प्रगति को नई दिशा देगा। आज यह वैज्ञानिक उपलब्धि एक ऐसे भविष्य की आधारशिला है, जहां भारत आत्मनिर्भर, सशक्त और वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में विश्व के सभी देशों के बीच आगे की पंक्ति में खड़ा दिखाई देता है। इसके लिए देश के शीर्ष नेतृत्व और वैज्ञानिकों को जितना धन्यवाद दिया जाए, निश्चित ही वह उतना ही कम होगा।

एकात्म मानववाद आज के विश्व के लिए मार्गदर्शक: गुलाब चंद कटारिया

एकात्म मानववाद पर लोक भवन में विषयक बौद्धिक संगोष्ठी आयोजित की गई

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि एकात्म मानववाद केवल एक विचारधारा नहीं, बल्कि एक ऐसी जीवन-पद्धति है जो आधुनिक विश्व की जटिल चुनौतियों का समग्र समाधान प्रस्तुत करती है। वे रविवार को पंजाब लोक भवन स्थित गुरु नानक देव भवन में आयोजित एकात्म मानववाद (क्ल्लर्ड्रीं१' ल्र्४ेंल्ल२) विषयक बौद्धिक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने अपने संबोधन में महान विचारक दीनदयाल उपाध्याय का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने 1960 के दशक में इस दर्शन को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत किया, जो भारतीय संस्कृति, वेदों, उपनिषदों और गीता की मूल भावना पर आधारित है। उन्होंने कहा कि एकात्म मानववाद मनुष्य को केवल आर्थिक या सामाजिक इकाई नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वित रूप में देखता है।

कटारिया ने कहा कि यह दर्शन व्यक्ति (व्यष्टि), समाज (समष्टि), प्रकृति (सृष्टि) और परम सत्ता (परमेष्ठी) के बीच संतुलन स्थापित करने का संदेश देता है। उन्होंने जोर दिया कि व्यक्ति और समाज के बीच कोई संघर्ष नहीं, बल्कि परस्पर सहयोग और पूरकता का संबंध होना चाहिए।

पर्यावरणीय चुनौतियों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज विश्व ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, जिसका प्रमुख कारण प्रकृति के प्रति शोषण की प्रवृत्ति है। उन्होंने माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः का उल्लेख करते हुए प्रकृति के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्यपाल ने सिख गुरुओं की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरबत दा भला और पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत जैसे संदेश एकात्म मानववाद के मूल सिद्धांतों को ही प्रतिध्वनित करते हैं।

राज्यपाल ने अंत्योदय की अवधारणा को एकात्म मानववाद का प्रमुख स्तंभ बताते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना ही वास्तविक प्रगति का मापदंड है। उन्होंने कहा कि जब तक अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलता, तब तक विकास अधूरा है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय महासचिव (संगठन), भाजपा श्री बी.एल. संतोष ने एकात्म मानववाद की समकालीन प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. रेनू विग, उप कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़; डॉ. धरिंदर तयाल, लेखक एवं सामाजिक-राजनीतिक विश्लेषक; तथा श्री ललित शर्मा (द नॉर्थ न्यूज) उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त, इस अवसर पर अन्य प्रमुख उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष सरदार इकबाल सिंह लल्पुरा, हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पीकर श्री गियान चंद गुप्ता, भाजपा चंडीगढ़ के अध्यक्ष श्री जतिंदर मल्होत्रा, डीजीपी चंडीगढ़ श्री सागरप्रीत हुड्डा तथा क्षेत्र के अन्य प्रमुख सामाजिक-राजनीतिक व्यक्तित्व भी शामिल रहे।

राज्यपाल ने सिख गुरुओं की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरबत दा भला और पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत जैसे संदेश एकात्म मानववाद के मूल सिद्धांतों को ही प्रतिध्वनित करते हैं।

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने युवाओं और बुद्धिजीवियों से आान किया कि वे इस दर्शन को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने जीवन और व्यवहार में अपनाएं, ताकि एक समृद्ध, संतुलित और संवेदनशील विकसित भारत का निर्माण किया जा सके। उन्होंने सर्वे भवन्तु सुखिनः के शांति मंत्र के साथ अपने विचारों का समापन किया।

संक्षिप्त-समाचार

चंडीगढ़ का प्रमुख रिटेल और एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, नेक्सस एलांते, ने शनिवार को अनहद नाद झ द हीलिंग इंडिया टूर का आयोजन किया। यह शिवोहम द्वारा प्रस्तुत एक इमर्सिव लाइव अनुभव था, जो अपनी शैली को परिभाषित करने वाला फ्यूजन बैंड है। यह पहल अककॉम्ब्लीस, बिग बॉस इवेंट्स और ईडब्ल्यू कंपनी के सहयोग से की गई ।

रिटायरमेंट प्लानिंग में देरी बन रही चुनौती: अनुराग गुप्ता

चंडीगढ़। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस ने रिटायरमेंट प्लानिंग को लेकर एक अहम मुद्दे पर ध्यान दिलाया है। कंपनी का कहना है कि लोगों में जानकारी तो बढ़ रही है, लेकिन उस पर सही तरीके से काम नहीं हो रहा। इसलिए अब सिर्फ समझने से आगे बढ़कर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। अनुराग गुप्ता, डायरेक्टर और चीफ बिजनेस ऑफिसर, पार्टनरशिप चैनल, एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड के अनुसार आज के समय में वित्तीय जानकारी (फाइनेंशियल लिटरेसी) तेजी से बढ़ रही है। लोग निवेश और बाजार के बारे में अच्छी समझ रखते हैं। लेकिन इसके बावजूद, ज्यादातर लोग अपने रिटायरमेंट की सही तैयारी नहीं कर पा रहे हैं। कंपनी इस अंतर को अवेयरनेस-एक्शन गैप कहती है, यानी लोग रिटायरमेंट प्लानिंग की अहमियत तो समझते हैं, लेकिन उसे टालते रहते हैं और जरूरी कदम नहीं उठाते। इंडिया रिटायरमेंट इंडेक्स स्टडी (आईआरआईएस) 5.0 के अनुसार, भारत का कुल रिटायरमेंट तैयारी स्कोर बढ़कर 46 तक पहुंच गया है। फिर भी, वित्तीय तैयारी का हिस्सा अभी भी कमजोर है। बड़ी समस्या यह है कि लोग बचत तो कर रहे हैं, लेकिन उतनी नहीं कर रहे जो लंबे समय तक उनकी जीवनशैली को बनाए रख सके, खासकर बढ़ती महंगाई को देखते हुए। कंपनी ने यह भी बताया कि रिटायरमेंट प्लानिंग में महंगाई (इन्फ्लेशन) को अक्सर कम आंका जाता है। समय के साथ रोजमर्रा के खर्च काफी बढ़ जाते हैं। उदाहरण के तौर पर, जो खर्च आज रुपए 50,000 प्रति माह है, वह अगले 30 साल में बढ़कर लगभग रुपए 2.87 लाख प्रति माह हो सकता है। यह स्थिति बताती है कि लंबे समय के लिए सही और अनुशासित वित्तीय योजना बनाना बहुत जरूरी है, ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आर्थिक रूप से सुरक्षित रहा जा सके।

लुधियाना में इस्पात कारखाने में आग लगने से सात श्रमिक झुलसे

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में दोराहा के निकट शनिवार को एक इस्पात कारखाने में विस्फोट के बाद लगी आग में सात महिला श्रमिक झुलस गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग ने तेजी से पूरी कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां से धुएं का गुबार उठता देखा गया। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को भेजा गया। दोराहा के थाना प्रभारी (एसएचओ) आकाश दत्त ने बताया कि आग लगने की इस घटना में सात महिला श्रमिक झुलस गई हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से दो महिलाओं कादोन गांव की मीना और अंजलि की हालत गंभीर है, जिन्हें लुधियाना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

आप ने पार्टी छोड़ने वाले राज्यसभा सदस्यों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकताओं ने रविवार को पंजाब भर में कई स्थानों पर उन सात राज्यसभा सदस्यों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया, जो पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने दलबदल के विरोध में राज्यसभा सदस्यों के पुतले जलाए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। आप कार्यकताओं ने मोहाली के डेरा बस्सी और खरड़, गुरदासपुर, जालंधर, पठानकोट, बठिंडा और अमृतसर समेत कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए। अमृतसर में संवाददाताओं से बात करते हुए पंजाब के मंत्री हरभजन सिंह ने राज्यसभा सदस्यों द्वारा पाला बदलने की कड़ी आलोचना की और उन पर पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। सिंह ने कहा, इन सांसदों को पंजाब के मुद्दों को उठाने के लिए उच्च सदन में भेजा गया था लेकिन यह बड़े शर्म की बात है कि उन्होंने पंजाब का कोई भी मुद्दा नहीं उठाया। इसके बजाय, वे भाजपा में शामिल हो गए। मंत्री ने कहा कि पंजाब की जनता पाला बदलने वालों को कभी माफ नहीं करेगी।

जिला अमृतसर में 5 परीक्षा केंद्रों पर 3838 अध्यापकों ने दी शिक्षक योग्यता परीक्षा

अमृतसर। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद पंजाब के दिशा-निर्देशों के तहत शिक्षा विभाग पंजाब द्वारा आज आयोजित अध्यापक योग्यता परीक्षा के लिए जिले में बनाए गए पांच परीक्षा केंद्रों पर 3838 अध्यापकों ने परीक्षा में भाग लिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी (सेकेंडरी) अमृतसर श्री राजेश कुमार शर्मा और जिला शिक्षा अधिकारी (एलिमेंट्री) अमृतसर सरदार कवलजीत सिंह संधू ने संयुक्त रूप से बताया कि जिला अमृतसर में कुल 4077 परीक्षार्थियों के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इनमें से 3838 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 239 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। शिक्षा अधिकारियों ने बताया कि जिले में आयोजित अध्यापक योग्यता परीक्षा शांतिपूर्ण और बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुई। विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सुबह आयोजित पंजाब राज्य अध्यापक योग्यता परीक्षा-2 के लिए बनाए गए पांच केंद्रों पर कुल 1972 उम्मीदवारों में से 1815 उम्मीदवार उपस्थित रहे, जबकि 157 उम्मीदवार अनुपस्थित रहे। इस परीक्षा में उपस्थिति 92.04 प्रतिशत रही। इसी प्रकार शाम के समय आयोजित पंजाब राज्य अध्यापक योग्यता परीक्षा-1 के लिए 2105 उम्मीदवारों के लिए पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें 2023 उम्मीदवार उपस्थित रहे, जबकि 82 उम्मीदवार अनुपस्थित रहे।

मोहाली में पारस हेल्थ का पहला मेडसेंटर शुरू, विशेषज्ञ सेवाएं अब और करीब

मोहाली। पारस हेल्थ ने आउटपेशेंट केयर को और सुलभ बनाने के उद्देश्य से मोहाली में अपना पहला पारस मेडसेंटर शुरू किया है। इस सेंटर का उद्घाटन पारस हेल्थ के ग्रुप सीओओ श्री विनीत अग्रवाल, पारस हेल्थ पंचकूला के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. पंकज मित्तल और अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों की उपस्थिति में किया गया। मेडसेंटर में डॉक्टर परामर्श, जांच सुविधाएं और फॉलो-अप इलाज की सेवाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, पारस हेल्थ पंचकूला के विशेषज्ञ डॉक्टर भी यहां समय-समय पर सेवाएं देंगे। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ अधिकारी, हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स, कॉपोरेट और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिनिधि, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य और स्थानीय मेडिकल समुदाय के लोग शामिल हुए। पैरागॉन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल भी इस अवसर पर मौजूद रहे। यह सेंटर अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा परामर्श उपलब्ध कराएगा, जिससे स्थानीय लोगों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं अपने नजदीक मिल सकेंगी। मोहाली और पंचकूला के आसपास रहने वाले लोगों के लिए यह सेंटर खास राहत लेकर आएगा, क्योंकि अब उन्हें सामान्य जांच और परामर्श के लिए दूर अस्पताल जाने की जरूरत कम होगी। इससे समय पर और किफायती इलाज मिलना आसान होगा, खासकर उन मरीजों के लिए जिन्हें नियमित चेक-अप या लगातार इलाज की आवश्यकता होती है। इस अवसर पर श्री विनीत अग्रवाल ने कहा कि मोहाली में पहला पारस मेडसेंटर शुरू करना पारस हेल्थ की मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उनका कहना था कि कंपनी का लक्ष्य विशेषज्ञ सेवाओं को लोगों के घर के करीब पहुंचाना है, ताकि इलाज अधिक आसान और सुविधाजनक हो सके।

विक्रमजीत साहनी ने मुझे आजाद समूह में शामिल होने के लिए कहा था लेकिन मैंने मना कर दिया: सीचेवाल

एजेंसी
चंडीगढ़

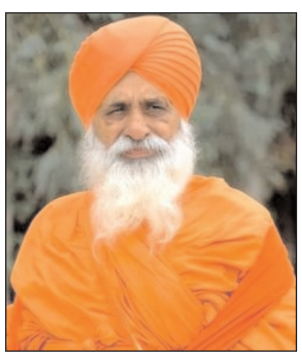

आम आदमी पार्टी के सांसद बलबीर सिंह सीचेवाल ने रविवार को दावा किया कि राज्यसभा सदस्य विक्रमजीत सिंह साहनी ने उनसे आजाद समूह में शामिल होने के लिए संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था।

साहनी शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने वाले आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों में से एक हैं।

पंजाब से आप के राज्यसभा सदस्य एवं एक प्रमुख पर्यावरणविद् सीचेवाल ने भी अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी से सात सांसदों के अचानक इस्तीफे पर दुख व्यक्त किया और कहा कि जिस पार्टी ने उन्हें पंजाब के मुद्दों को उठाने के लिए उच्च सदन में भेजा उसी के साथ उन्होंने बेवफाई की।

शुक्रवार को आप को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसके 10 राज्यसभा सदस्यों में से सात - राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालीवाल ने पार्टी पर उसके सिद्धांतों, मूल्यों और मूल नैतिक मूल्यों से भटकने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय कर लिया।

आप से इस्तीफा देने वाले सात सांसदों में से छह पंजाब से थे।

सीचेवाल ने दावा किया कि उन्हें शुक्रवार सुबह साहनी का फोन आया था जिसमें उन्होंने उन्हें एक नए गुट में शामिल होने के लिए कहा था जिसमें राज्यसभा के छह से सात सदस्य पहले ही हस्ताक्षर कर चुके हैं।

सीचेवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा, साहनी ने मुझे बताया कि पंजाब के मुद्दों को उठाने के लिए एक आजाद समूह बनाया जा रहा है।लेकिन मैंने उन्हें साफ-साफ कह दिया कि मेरा इस समूह में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है।

पर्यावरणविद ने आगे बताया कि बाद में उन्हें मीडिया के माध्यम से पता चला कि सात सांसदों ने पार्टी छोड़ दी है और भाजपा में शामिल हो गए हैं।

सीचेवाल ने दोहराया कि आप ने उन्हें संसद में पंजाब के मुद्दे उठाने के लिए राज्यसभा भेजा था। उन्होंने कहा, जिस पार्टी ने उन्हें उच्च सदन में भेजा था, उसके प्रति उनकी जिम्मेदारी थी और उन्हें उसे निभाना चाहिए था। लेकिन उन्होंने आप के साथ बेवफाई की है।

उन्होंने राघव चड्ढा और संदीप पाठक के इस कदम पर हैरानी जताते हुए सीचेवाल ने कहा कि पंजाब में इन दोनों ने सभी शक्तियों का दुरुपयोग किया है।

सीचेवाल ने यह भी दावा किया कि उन्हें उच्च सदन में किसी भी विधेयक पर बोलने की अनुमति कभी नहीं दी गई क्योंकि हमेशा चड्ढा और पाठक ही बोलते थे।

राज्यसभा के लिए 2022 में पंजाब से निर्विरोध निर्वाचित हुए सीचेवाल ने दावा किया, मैंने केवल शून्यकाल के दौरान या संसद में विशेष उल्लेख के माध्यम से ही मुद्दे उठाए।

गैंगस्टरों ते वार का 96वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 557 स्थानों पर छापेमारी; 291 गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के तहत चलाए जा रहे गैंगस्टरों ते वार अभियान के 96वें दिन पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टरों के सहयोगियों से जुड़े 557 स्थानों पर छापेमारी की।

> पुलिस टीमों ने 93 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की, 76 को पूछताछ के बाद रिहा किया

जिक्रयोग्य है कि यह अभियान 20 जनवरी 2026 को डीजीपी पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य पंजाब को गैंगस्टर मुक्त बनाना है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए जी टी एफ) के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें लगातार विशेष अभियान चला रही हैं। 96 वें दिन पुलिस की टीमों ने ने 7 हथियारों सहित 291 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 24,280 हो गई है। इसके अलावा 93 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 76 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। पुलिस ने 8 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 पर गुप्त रूप से जानकारी साझा कर अपराध के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करें। इसके साथ ही युद्ध नशों विरुद्ध अभियान के तहत 421वें दिन 95 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 6.8 किलोग्राम हेरोइन और 306 नशीली गोलियां/कैप्सूल बरामद किए गए। इस अभियान के दौरान अब तक कुल 60,898 नशा तस्कर गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, नशा मुक्ति प्रयासों के तहत आज 29 व्यक्तियों को इलाज और पुनर्वास के लिए प्रेरित किया गया, जो समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पंजाब सरकार ने सुरक्षा वापस ली, अब हरभजन सिंह भज्जी के साथ रहेंगे सीआरपीएफ के जवान

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने वाले राज्य सभा सांसदों के विरूद्ध शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।रविवार को पंजाब सरकार ने क्रिकेटर एवं राज्य सभा सांसद हरभजन सिंह भज्जी को दी गई पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस ले ली।इसके कुछ समय बाद ही उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से सीआरपीएफ की सुरक्षा प्रदान कर दी गई।भज्जी से पहले पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की सुरक्षा भी वापस ली थी। हरभजन सिंह को पंजाब सरकार की तरफ से बतौर राज्य सभा सांसद वाई श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी। उनके जालंधर स्थित घर पर तैनात पंजाब पुलिस के जवानों को तुरंत वापस बुला लिया गया है।पंजाब पुलिस की सुरक्षा वापस होने के कुछ समय बाद ही केंद्र सरकार ने भज्जी को सीआरपीएफ की सिक्योरिटी दे दी।उनके घर के बाहर ये जवान तैनात कर दिए गए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने गत दिवस हरभजन सिंह के भी आम छोडने का दावा किया था।भज्जी ने अभी तक खुलकर इस बारे में कुछ नहीं बोला है।इस बीच पंजाब से राज्य सभा सांसद विक्रमजीत साहनी ने रविवार को एक चैनल से बातचीत में दावा किया कि उन्होंने कभी भी आम आदमी पार्टी को ज्वाइन नहीं किया। उन्होंने कहा कि आम सुप्रीमों अरविंद केजरीवाल ने उनसे इस्तीफा मांगा था लेकिन सलाहकारों से बातचीत के बाद उन्होंन इस्तीफा नहीं दिया। पंजाब इस समय आईसीयू में है।इसे बचाने के लिए केंद्र सरकार के सहयोग की जरूरत है।उधर चंडीगढ़ में पहुंचे आप के राज्य सभा सांसद संत बलवीर सिंह सीचेवाल ने पत्रकारो से बातचीत में कहा कि राघव चड्ढा ने आजाद ग्रुप बनाने की बात कहकर मुझे 16, 17 और 18 अप्रैल को चाय पर बुलाया था, लेकिन मैं वहां नहीं गया।मैंने उन्हें किसी तरह का आजाद ग्रुप बनाने या उसमें शामिल होने से मना कर दिया था।

चंडीगढ़ में सामाजिक न्याय पर राष्ट्रीय चिंतन शिविर समयबद्ध रूपरेखा के साथ संपन्न जिसमें वर्ष 2047 तक अंत्योदय से प्रेरित विकसित भारत का लक्ष्य निर्धारित किया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का तीन दिवसीयराष्ट्रीय चिंतन शिविर आज चंडीगढ़ में संपन्न हो गया। राज्योंऔर केंद्र शासित प्रदेशों ने अंत्योदय का संकल्प, अमृतकाल का प्रतिबिंब झ विकसित भारत@2047 विषय केअनुरूप सामाजिक न्याय योजनाओं के देश के प्रत्येक क्षेत्रतक प्रभावी कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने के लिए समयबद्धऔर व्यावहारिक अनुशंसाओं के एक समूह पर सहमति व्यक्तकी।24 से 26 अप्रैल 2026 तक तीन दिनों तक आयोजितइस शिविर की शुरूआत दृष्टि, गरिमा और सुलभता परकेंद्रित सत्र से हुई, जिसके बाद दूसरे और तीसरे दिनविषयवार गहन विचार-विमर्श हुआ। समापन सत्र में प्राप्तपरिणामों को एक दूरदर्शी रूपरेखा में समेकित किया गया।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्रकुमार ने अपने समापन भाषण में कहा कि तीन दिवसीयराष्ट्रीय चिंतन शिविर ने केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशोंको इस बात पर सामूहिक रूप से विचार-विमर्श करने के लिएएक गंभीर और परिणाम के अनुकूल मंच प्रदान किया किसामाजिक न्याय के कार्यान्वयन को कैसे अधिक सुलभ, उत्तरदायी और कार्यान्वयन के अनुकूल बनाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि विचार-विमर्श अंत्योदय का संकल्प, अमृतकाल का प्रतिबिंब - विकसित भारत@2047 के व्यापकराष्ट्रीय संकल्प पर आधारित था। उन्होंने इस बात की पुष्टिकी कि सामाजिक न्याय का आधार कतार में खड़े प्रत्येकव्यक्ति के लिए भी गरिमा, सुलभता और निरंतरता होनाचाहिए।

डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि शिविर के दौरान हुई चचाएँव्यापक नीतिगत उद्देश्यों से आगे जाकर छात्रवृत्ति वितरण, नशामुक्ति, वरिष्ठ नागरिक कल्याण, सुलभता, दिव्यांगजनोंके लिए प्रमाणन और कमजोर समुदायों के लिएसमावेशन-आधारित सहायता प्रणालियों जैसे क्षेत्रों मेंव्यावहारिक समाधानों पर केंद्रित थीं। उद्घाटन सत्र के दौरानशुरू किए गए प्लेटफार्म और अनुप्रयोगों सहित मंत्रालय कीवर्तमान में जारी डिजिटल और संस्थागत पहलों का उल्लेखकरते हुए, उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ पात्रलाभार्थियों तक बिना किसी देरी के पहुँचें। डॉ. वीरेंद्र कुमार नेयह सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी-सक्षम सुशासन, प्रक्रिया सरलीकरण, बेहतर निगरानी और केंद्र तथा राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच मजबूत समन्वय के महत्व परबल दिया।

केंद्रीय मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि विषयगत भोज, सत्रऔर समूह प्रस्तुतियों से प्राप्त सिफारिशें सामाजिक न्यायक्षेत्र में अधिक प्रभावी कार्यान्वयन ढांचा तैयार करने मेंसहायक होंगी। उन्होंने कहा कि मंत्रालय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ घनिष्ठ साझेदारी में चिंतन शिविर केपरिणामों को आगे बढ़ाएगा, जिसमें समाज के गरीब, वंचितऔर कमजोर वर्गों के लिए समावेशन, सशक्तिकरण औरजमीनी स्तर पर मापने योग्य परिणामों पर निरंतर ध्यान दियाजाएगा।

मुख्यमंत्री सेहत योजना के सहयोग से मात्र 33 सप्ताह में जन्मी नवजात बच्ची ने बठिंडा के एनआईसीयू में जिंदगी की जंग जीती

भगवंत मान सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत गंभीर हालत में जन्मी नवजात बच्ची के स्वस्थ होने से डॉक्टरों की चिंता उम्मीद में बदली

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/बठिंडा

फाइल फोटो

नवजात की पहली किलकारी राहत लेकर आनी चाहिए, लेकिन कई बार यह सन्नाटा भी लेकर आती है।बठिंडा जिले के रामपुरा फूल स्थित अग्रवाल अस्पताल में एक बच्ची का जन्म हुआ, लेकिन उसके जीवन की जंग अभी शुरू ही हुई थी।

सिर्फ 33 सप्ताह में जन्मी रेशम सिंह और गुरमेल कौर की बेटी समय से पहले बेहद नाजुक हालत में इस दुनिया में आई। उसका वजन केवल 1.926 किलोग्राम था, जो सामान्य पूर्णकालिक जन्म वजन (लगभग 2.5 से 4 किलोग्राम) से काफी कम है।जन्म के पहले ही पल से उसे सांस लेने में कठिनाई हो रही थी। बिना चिकित्सकीय सहायता के सांस लेना संभव नहीं था।ऐसे हालात में समय गंवाने की कोई गुंजाइश नहीं थी।

डॉ. सुरिंदर अग्रवाल (एमडी पीडियाट्रिक्स), जिनके पास 24 वर्षों का अनुभव है, ने अपनी टीम के साथ तुरंत उपचार शुरू किया। बच्ची को एनआईसीयू में भर्ती किया गया, जहां मशीनें वह काम कर रही थीं, जो उसके अविकसित फेफड़े नहीं कर पा रहे थे। मॉनिटर पर हर धड़कन और हर सांस पर नजर रखी जा रही थी–हर पल अनिश्चितता और हर पल महत्वपूर्ण था।

इसके बाद 17 दिनों तक लगातार देखभाल और सही उपचार जारी रहा। नवजात को 10 दिनों तक कंटीन्यूअस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर सहायता दी गई, इसके बाद 4 दिनों तक ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया। इस दौरान बच्ची को पीलिया हो गया, जिसका इलाज फोटोथेरेपी से किया गया। सीमित कंगारू मदर केयर के जरिए सावधानीपूर्वक पोषण दिया गया, ताकि उसकी नाजुक स्थिति प्रभावित हुए बिना उसे गर्माहट और स्थिरता मिल सके।

डॉ. अग्रवाल ने कहा, एनआईसीयू में सुधार अचानक नहीं आता, यह धीरे-धीरे स्थिर संकेतों के साथ आता है। धीरे-धीरे सुधार दिखना शुरू हुआ।

सांस सामान्य होने लगी। प्रतिक्रियाएं बेहतर हुईं। जो नाजुक शरीर पहले संघर्ष कर रहा था, वह दिन-ब-दिन मजबूत होने लगा। डॉ. अग्रवाल ने कहा, कई बार बच्चे को बचाना सिर्फ इलाज पर नहीं, बल्कि सही समय पर निर्भर करता है। थोड़ी-सी देरी भी सब कुछ बदल सकती है। इस मामले में कोई देरी नहीं हुई। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत परिवार को कैशलेस इलाज मिला, जिससे डॉक्टर बिना किसी आर्थिक चिंता के पूरी तरह उपचार पर ध्यान केंद्रित कर सके।

17 दिनों के इलाज के बाद बच्ची को स्थिर हालत में छुट्टी दे दी गई। अब उसका वजन 2.106 किलोग्राम है। हालांकि वह अभी भी नाजुक है, लेकिन पहले से काफी स्वस्थ है। नवजात अपने माता-पिता की गोद में जीवित, स्थिर और स्वस्थ हालत में अस्पताल से बाहर आई।

एक अन्य मामले में, होशियारपुर के मनिंदर सिंह ने अपना अनुभव साझा किया। उनकी बेटी गुरकीरत कौर, जिसका जन्म इसी वर्ष 14 अप्रैल को हुआ था, को भी जन्म के बाद नवजात देखभाल की जरूरत पड़ी। उन्होंने कहा, अस्पताल में उसका अच्छा इलाज हुआ और पूरा खर्च मुख्यमंत्री स्वास्थ्य कार्ड के तहत कवर हो गया।

रजिस्ट्रेशन उसी दिन पूरा हो गया और अब परिवार को हर साल 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिल रहा है।

मनिंदर सिंह ने धन्यवाद देते हुए कहा, इसलिए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना बहुत महत्वपूर्ण है। जो व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष करता है, वह भी अपने बच्चे के लिए बेहतर इलाज ले सकता है। यह बहुत बड़ी बात है।

पंजाब के एनआईसीयू में अभी भी खामोशी होती है, लेकिन अब वह डर नहीं, बल्कि उम्मीद से भरी होती है।

यह उम्मीद बिल्कुल शांत और स्थिर होती है, जिसमें मॉनिटर हर दिन और मजबूत होती किसी नन्हे दिल की धड़कन दिखाता है, और कई बार यही खामोशी और स्थिरता सब कुछ बदलने के लिए काफी होती है।

अमेरिकी में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान चली गोली, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स कार्यक्रम स्थल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निकाल कर ले गए। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस गोलीबारी में एक एजेंट घायल हो गया। डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था।

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी होते ही ट्रंप को वहां से तुरंत बाहर निकाला गया। इस वार्षिक मीडिया कार्यक्रम के शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप बॉलरूम पहुंच चुके थे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा कि वह जल्द ही व्हाइट हाउस से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। ट्रंप ने लिखा, "वह, प्रथम महिला, उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मैंने इस कार्यक्रम के प्रभारी सभी प्रतिनिधियों से बात कर ली है। डिनर का आयोजन 30 दिनों के अंदर दोबारा किया जाएगा।" ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कहा यह सब बहादुर हैं। उन्होंने कहा, "हमलावर को पकड़ लिया गया है।" मौके से हासिल फुटेज में नजर आ रहा है कि गोलियों की आवाज सुनने के बाद ट्रंप और वहां मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। इस दौरान चिल्ला रहे थे, "नीचे झुक जाओ।" इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ट्रंप को तेजी से घटनास्थल से दूर ले गए। फिर एजेंट्स ने कार्यक्रम स्थल को चारों ओर से घेर लिया। डिनर में आमंत्रित अल जजीरा के पत्रकार क्रिस शेरिडन ने बताया कि उन्होंने बॉलरूम के बाहर गोलियों की पांच आवाजें सुनीं। हम तुरंत जमीन पर लेट गए। गोलीबारी ठीक मेरे पीछे हुई। गोली बॉलरूम के प्रवेश द्वार के दरवाजों के पीछे हुई। इस बीच अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। यह घटना रात लगभग 8:30 बजे हुई। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप इस समय व्हाइट हाउस में हैं।

राष्ट्रपति ने ट्रुथ सोशल पर लिखा है कि वह प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की कि ट्रंप ब्रीफिंग रूम से ही संबोधित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध ने कुल मिलाकर पांच से आठ गोलियां चलाई गईं। संदिग्ध बंदूकधारी तको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर की अध्यक्ष और सीबीएस न्यूज की पत्रकार वेइजिया जियांग ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी तरह ठीक हैं। वह प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि भगवान का शुक्र है कि हम सब सुरक्षित हैं। आज रात एक साथ आने के लिए आप सबका धन्यवाद। हम फिर मिलेंगे।

अमेरिकी गणतंत्र पर हमला नया नहीं, देशवासी लें मतभेदों को शांतिपूर्वक सुलझाने का संकल्प: ट्रंप

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी गणतंत्र पर हमला नया नहीं है। इससे पहले भी राष्ट्र को लहूलुहान किया गया है। उन्होंने देशवासियों से आपसी मतभेदों को शांतिपूर्वक सुलझाने का आह्वान भी किया। वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर हुई गोलीबारी में पूरी तरह सुरक्षित ट्रंप ने इस घटना पर चिंता जताते हुए संघीय एजेंट्स और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की तारीफ की। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटना करीब 30 मिनट बाद व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम से संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वार्षिक डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था। इस दौरान कई तरह के हथियारों से लैस एक व्यक्ति सुरक्षा घेरे की तरफ बढ़ा। एजेंट्स और अन्य सुरक्षा कर्मचारियों ने संदिग्ध को आगे बढ़ने से रोका और उसे हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि संदिग्ध ने एक एजेंट को बहुत करीब से गोली मारी। इस अधिकारी के बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने कारण अनहोनी टल गई। अधिकारी पूरी तरह ठीक है। व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में ट्रंप के संवाददाता सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कई पत्रकार तो सीधे हिल्टन होटल से पहुंचे। ट्रंप ने संवाददाता सम्मेलन से पहले संदिग्ध की तस्वीरें और वीडियो 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट किए। ट्रंप ने इस घटना को कार्यक्रम के मूल उद्देश्य पर सीधा हमला भी बताया। उन्होंने कहा, ₹यह कार्यक्रम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समर्पित था। इसका मकसद दोनों पार्टियों के सदस्यों और प्रेस के सदस्यों को एक साथ लाना था। ट्रंप ने कहा कि इस घटना से साफ है कि सुरक्षा व्यवस्था को और भी कड़ा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन हिल्टन होटल सुरक्षित इमारत नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे अच्छा तो व्हाइट हाउस का निणार्धीन बॉलरूम है। यहां ड्रोन प्रूफ सुरक्षा और कांच की बुलेट प्रूफ दीवारें होंगी। उन्होंने इस गोलीबारी से पैदा हुए डर को अमेरिका पर मंडरा रहे खतरों के एक बड़े सिलसिले से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, ₹पिछले कुछ सालों में यह पहली बार नहीं है जब हमारे गणतंत्र पर किसी ऐसे हमलावर ने हमला किया हो, जो किसी की जान लेने के इरादे से आया हो।₹ उन्होंने अमेरिकियों से आग्रह किया, ₹ दिल से यह संकल्प लें कि आपसी मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएंगे।₹ ट्रंप ने कहा, यह डिनर अगले 30 दिनों के भीतर फिर से आयोजित किया जाएगा। यह और बेहतर और ज्यादा शानदार होगा।₹ अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध की पहचान 31 वर्षीय कोल एलन के रूप में हुई है।

केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पत्नी सहित ताजमहल को निहारा

एजेंसी (हि.स.)
आगरा

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को सुबह पत्नी के साथ विश्व धरोहर ताजमहल का दीदार किया। इसके बाद होटल में आगरा के निर्यातकों और उद्योगपतियों के साथ बैठक में भाग लिए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल शनिवार की रात सपत्नीक दिल्ली से आगरा पहुंचे। एक पंच सितारा होटल में रात विश्राम के बाद रविवार सुबह पत्नी सीमा गोयल के साथ करीब 6 बजे ताजमहल पहुंचे। शिल्पग्राम से गोल्फ कार्ट के माध्यम से ताजमहल के पूर्वी गेट पर पहुंचकर ताजमहल में प्रवेश किया। करीब 2 घंटे ताजमहल में बिताने के दौरान साथ में चल रहे गाइड से ताजमहल के निर्माण की बारीकियों के बारे में जानकारी ली और डायना बेंच पर पत्नी के साथ फोटोशूट कराया। ताजमहल भ्रमण के बाद गोयल होटल अमर विलास के लिए प्रस्थान कर गए। वह आगरा में जूता, खिलौना, फार्मा, आयुष निर्यातकों एवं उद्योगपतियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिए, जहां निर्यात में आने वाली समस्याओं, उनके निराकरण तथा सुझावों पर विचार विमर्श किया। उल्लेखनीय है कि आगरा जूता निर्माण, निर्यात एवं व्यापार में भारत का एक बहुत बड़ा हब है। वर्तमान में पश्चिम एशिया के हालातों को देखते हुए जूता उद्योग पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों पर भी चर्चा की गई। पीयूष गोयल ने मेक इन इंडिया पर भी चर्चा किए। आगरा के निर्यात एवं उद्योग विकास के क्षेत्र में इस बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तमिलनाडु और मेघालय में जैव विविधता संरक्षण को केंद्र की पांच वर्षीय परियोजना

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

देश में जैव विविधता संरक्षण को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार ने पांच वर्षीय एक परियोजना शुरू की है। इस पहल के तहत स्थानीय समुदायों, पंचायत संस्थाओं और विभिन्न एजेंसियों को जोड़कर संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ-साथ आजीविका के अवसर भी विकसित किए जाएंगे।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई ह्यजैव विविधता संरक्षण प्रतिबद्धताओं को सुरक्षित करने के लिए संस्थागत क्षमता सुदृढ़ीकरणह्न परियोजना वर्ष 2025 से 2030 तक चलेगी। इस परियोजना को वैश्विक पर्यावरण सुविधा और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से 4.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

यह परियोजना तमिलनाडु और मेघालय के दो महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्रों में लागू की जाएगी। तमिलनाडु में पश्चिमी और पूर्वी घाटों के संगम क्षेत्र स्थित सत्यमंगलम परिदृश्य जिसमें मुदुमलाई बाघ अभयारण्य और सत्यमंगलम बाघ अभयारण्य शामिल हैं।

इन वन क्षेत्रों से जुड़े समुदायों की भागीदारी से जैव विविधता संरक्षण को ग्राम पंचायत विकास योजनाओं में शामिल किया जाएगा। वहीं, मेघालय के गारो पहाड़ियों क्षेत्र में नोकरेक जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र, बलपाक्रम राष्ट्रीय उद्यान और सिजू वन्यजीव अभयारण्य के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर संरक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्थानीय विकास योजनाओं में जैव विविधता को शामिल कर पंचायती राज संस्थाओं और जैव विविधता प्रबंधन समितियों को सशक्त बनाना है। इसके तहत वन विभाग, राजस्व विभाग, जनप्रतिनिधियों और नागरिक समाज को साथ लाकर सामुदायिक भागीदारी आधारित संरक्षण योजनाएं तैयार की जाएंगी।

इसके अलावा, परियोजना के तहत पहुंच एवं लाभ साझेदारी व्यवस्था, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सहयोग और हरित सूक्ष्म उद्यमों के माध्यम से नवाचारी वित्तीय तंत्र विकसित किए जाएंगे, जिससे संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों को स्थायी आजीविका मिल सके।

परियोजना का महत्वपूर्ण पहलू ज्ञान प्रबंधन और क्षमता निर्माण भी है, जिसके तहत इन क्षेत्रों में विकसित मॉडलों और नवाचारों को देशभर में लागू करने की दिशा में काम किया जाएगा। इसमें महिलाओं, अनुसूचित जातियों और जनजातीय समुदायों की भागीदारी और सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि यह पहल निचले स्तर से ऊपर की ओर आधारित दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें पंचायत संस्थाएं प्रमुख भूमिका निभाएंगी। यह परियोजना भारत की अद्यतन राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीति और कार्ययोजना (2024-2030), पेरिस समझौते के तहत निर्धारित लक्ष्यों और वैश्विक जैव विविधता ढांचे के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में भी सहायक होगी।

संक्षिप्त-समाचार

गृह मंत्री अमित शाह 30 अप्रैल को लेह पहुंचेंगे, भगवान बुद्ध के अवशेषों के दर्शन करेंगे

लेह। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे के लिए 30 अप्रैल को लेह पहुंचेंगे। गृह मंत्री एक मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों पर अपना सम्मान अर्पित करेंगे। लद्दाख के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रविवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 1-14 मई तक लद्दाख में आयोजित होने वाली पवित्र प्रदर्शनी के आध्यात्मिक महत्व पर अपने विचार साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष क्षेत्र में अपनी तरह की पहली सार्वजनिक प्रदर्शनी के लिए 29 अप्रैल को लेह पहुंचेंगे। उत्तर प्रदेश के पिपरहवा (प्राचीन कपिलवस्तु) से खोदे गए अवशेषों को 1 मई से 14 मई तक जिवे त्साल, चोगलमसर में प्रदर्शित किया जाएगा।

इजराइल के गाजा हमले में चार की मौत, लेबनान में पर्चे गिराकर दी चेतावनी

गाजा पट्टी/बेरूत। गाजा और लेबनान के लोग इजराइल के हमलों से जूझ रहे हैं। आज सुबह गाजा पर हुए इजराइली हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है। साथ ही इजराइल ने लेबनान में पर्चे गिराकर लोगों को चेतावनी दी है। लेबनान के साथ सैन्य विराम के बीच इजराइल लगातार हिजबुल्लाह के ठिकानों और आतंकवादियों को निशाना बना रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि एक हवाई हमले में अल-मुगराका के मध्य गांव के पास एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि इजराइली गोलीबारी और गोलाबारी में गाजा शहर के पास दो अन्य लोग मारे गए। इजराइली सेना ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में 40 साल की एक महिला को गोली मार दी। बाद में इस महिला की मौत हो गई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में कम से कम 72,587 लोग मारे जा चुके हैं। अक्टूबर 2025 में संघर्ष विराम होने के बाद भी हमले थमे नहीं हैं। उधर, इजराइल ने लेबनान के टायर जिले के गांवों में पर्चे गिराए हैं। इन पर्चों में लोगों को आवाजाही के प्रति आगाह किया गया है। इजराइल की सेना ने कहा कि लोग दक्षिण की तरफ मत जाएं। वहां हिजबुल्लाह पर हमले किए जा रहे हैं। लेबनान के मजरात बैत अल-सियादा, मजदल जून, जिबकिन, यातार, सारबिन, हदाथा, बैत याहून, चाकरा, मजदल सलाम, कब्रीहा, फरौन, अल-वक्कार अल-गर्बी, याहमुर अल-शकीफ, अरनौन, देइर मिम्मास, मरजायौन, एबेल अल-साकी, कफर शूबा, अल-मारी, ऐन किन्या और ऐन अता गांवों में पर्चे गिराए गए हैं। इन पर्चों में ग्रामीणों को लितानी नदी क्षेत्र, सलहानी घाटी और अल-सलकूकी के पास जाने से भी मना किया गया है।

इस्लामाबाद वार्ता विफल होने पर तुर्किये ने अमेरिकी वातार्कारों और ईरान ने ओमान से बात की

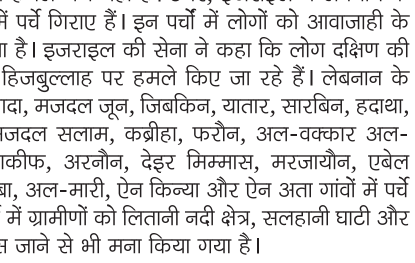

अंकारा/मस्कट। ईरान और अमेरिका की इस्लामाबाद वार्ता का दूसरा चरण विफल होने के बाद तुर्किये ने अमेरिकी पक्ष से इस संबंध में फोन पर बातचीत की है। ईरान ने ओमान से अपनी पीड़ा साझा की है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री हाकान फिदान ने अमेरिकी वातार्कारों के साथ फोन पर हुई बातचीत में इस्लामाबाद वार्ता में हुई ताजा गतिविधियों पर चर्चा की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार तुर्किये ने अमेरिका और ईरान के बीच एक कूटनीतिक मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। अंकारा ने युद्धविराम की भी वकालत की है और कहा है कि ईरान पर अमेरिका-इजराइल ने एकीकृत हमला करके अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। ओमान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने राजधानी मस्कट में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने क्षेत्रीय स्थिति और ईरान पर अमेरिका-इजरायल के युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से किए जा रहे मध्यस्थता के प्रयासों पर चर्चा की। शांति वार्ता में ओमान भी मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। सुल्तान ने स्थायी राजनीतिक समाधान तक पहुंचने के तौर-तरीके पर चर्चा की। ओमान के नेता ने संकट को सुलझाने में बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों को महत्व देने पर जोर दिया।

नेपाल में लगातार बारिश के कारण मिड हिल हाइवे भी पूर्ण रूप से बंद किया गया

काठमांडू। नेपाल में शनिवार शाम से लगातार हो रही बारिश के बाद आज रविवार को भूस्खलन के कारण रुकुम पूर्व जिले में मिड-हिल हाईवे अवरुद्ध हो गया है।ट्रैफिक पुलिस कार्यालय के प्रमुख पुलिस निरीक्षक वीर बहादुर थापा के अनुसार भारी बारिश के कारण दर्जनों स्थानों पर भूस्खलन हुआ, जिससे राजमार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। इसी तरह की घटनाओं के कारण कई सहायक सड़कें भी अवरुद्ध हो गई हैं। उन्होंने बताया कि मिड-हिल हाईवे के धौलापहिरा, कंदाबगर, किमुबोट, सुन्तलाबारी, साईपाटुङ, कंक्री, सीता और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन हुआ है। इसके अलावा मुरु में दो अलग-अलग स्थानों पर भी पहिरो (भूस्खलन) की घटनाएं हुई हैं, जबकि धाउने सड़क खंड पूरी तरह बंद हो गया है। पुलिस निरीक्षक थापा ने कहा कि भुमे गांवपालिका के एक्स्कावेटर की मदद से मलबा हटाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने मौसम में सुधार होने तक लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील भी की है, क्योंकि इससे जोखिम बढ़ सकता है।

भारत से 100 रुपये से अधिक का सामान लाने पर कस्टम ड्यूटी से सीमा पर कम हुई भीड़

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

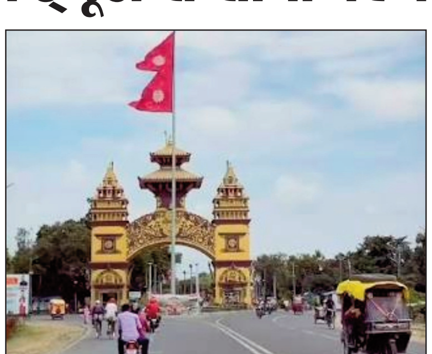

नेपाल के सीमावर्ती भारतीय बाजारों से खरीदकर लाए जाने वाले सामान पर 100 रुपये से ही कस्टम शुल्क लेने के नियम को सख्ती से लागू किए जाने के बाद सीमा नाकों पर आम लोगों की भीड़ कम हो गई है।

भारतीय बाजार से 100 रुपये से अधिक मूल्य का सामान लाने पर अनिवार्य रूप से कस्टम शुल्क चुकाने के नियम लागू होने के बाद सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मी और कर्मचारी बैग जांच से लेकर माइकिंग तक की कार्रवाई तेज कर चुके हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि अवैध आयात रोकने के लिए शुरू की गई इस सख्ती से पेशेवर तस्करी में कमी आएगी।

प्रशासन का दावा है कि घरेलू उपयोग के नाम पर व्यावसायिक कारोबार के लिए भारत से सामान खरीदकर लाने और बार-बार भारतीय बाजार जाकर सामान ढोने वाली पेशेवर तस्करी अब कुछ कम होने लगी है। दो साल पहले भी कुछ कस्टम कार्यालयों में ऐसी व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन नेपाल के स्थानीय लोगों के दबाव के कारण कस्टम विभाग और प्रशासन पीछे हट गए थे। हालांकि इस बार सरकार के सख्त निर्देश के बाद सभी सीमा नाकों पर अनिवार्य कस्टम लागू किया गया है।

भैरहवा कस्टम के प्रमुख हरिहर पौडेल ने कहा कि फिलहाल सीमा नाकों पर सख्ती बढ़ा दी गई है और 100 रुपये से अधिक मूल्य का सामान लाने वालों को अनिवार्य रूप से कस्टम शुल्क देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपयोग के नाम पर यात्रियों द्वारा मुख्य सीमा नाकों से बड़े पैमाने पर किए जाने वाले आयात को रोकने और खुली सीमा से होने वाली तस्करी पर नियंत्रण के लिए यह कदम उठाया गया है।

इसी तरह नेपालगंज कस्टम प्रमुख जनार्दन पौडेल ने कहा कि अनिवार्य कस्टम नीति से देश का राजस्व बढ़ेगा, इसलिए सरकार को इसे सख्ती से लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से सरकार को पीछे नहीं हटना चाहिए। यदि लोगों को जागरूक बनाकर इस नियम को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो देश में बड़ा राजस्व संग्रह हो सकता है।

मौसम की चुनौतियों के बावजूद देश में गेहूं उत्पादन बेहतर बढ़े रकबे और खरीद के आंकड़े से उछाल के संकेत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

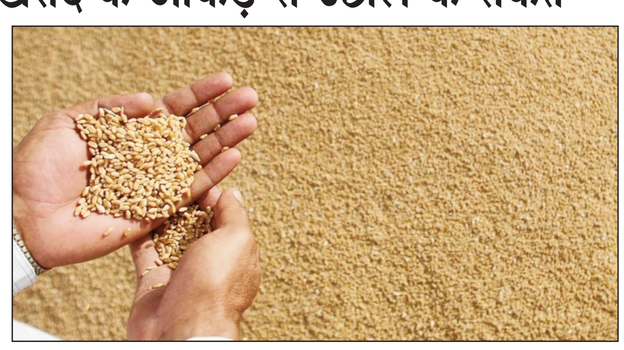

देश में इस साल 3.34 करोड़ हेक्टेयर में हुई गेहूं की बुवाई के बाद बेहतर कृषि प्रबंधन और उन्नत किस्मों के उपयोग के चलते मौसम की मार के बावजूद गेहूं उत्पादन समग्र रूप से बेहतर रहा। फरवरी की गर्मी, असमय बारिश और ओलावृष्टि के असर के बावजूद हरियाणा में 56.13 लाख मीट्रिक टन खरीद, मध्य प्रदेश में लक्ष्य बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन और महाराष्ट्र में 22.90 लाख टन उत्पादन के अनुमान है, जो अच्छा उत्पादन है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष लगभग 3.34 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। पूरे सीजन के दौरान फसल में किसी बड़े कीट या रोग का प्रकोप नहीं देखा गया।

मंत्रालय के अनुसार, फरवरी में असामान्य रूप से अधिक तापमान के कारण फसल पर हीट स्ट्रेस का असर पड़ा, जिससे दानों के भरने की अवधि प्रभावित हुई। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में असमय बारिश और ओलावृष्टि से स्थानीय स्तर पर नुकसान की आशंका रही है।

हालांकि, कई सकारात्मक कारकों ने इन प्रतिकूल प्रभावों को संतुलित किया है। समय से पहले बुवाई, अधिक क्षेत्र में खेती, उन्नत और जलवायु सहनशील किस्मों का उपयोग तथा खरपतवार और कीटों का कम प्रकोप उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में सहायक रहे हैं।

खरीद के आंकड़े भी बेहतर स्थिति बताते हैं। हरियाणा में गेहूं की आवक सरकारी लक्ष्य से आगे रही है और खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मध्य प्रदेश में उच्च उत्पादन के अनुमान के चलते खरीद लक्ष्य बढ़ाया गया है, जबकि महाराष्ट्र में भी उत्पादन में स्थिर वृद्धि देखी जा रही है।

मंत्रालय ने कहा कि स्थानीय स्तर पर कुछ प्रभावों के बावजूद देश में गेहूं उत्पादन की समग्र स्थिति संतोषजनक और मजबूत बनी हुई है।

नेपाल सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश ने कहा- अदालती फैसलों पर मीडिया ट्रायल कराना गलत

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

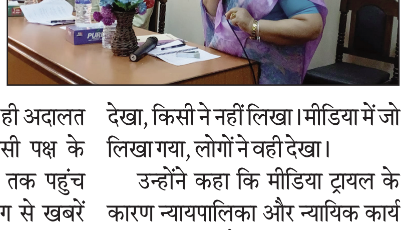

नेपाल के सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश सारंगा सुवेदी ने कहा है कि अदालत के फैसलों के खिलाफ अक्सर 'मीडिया ट्रायल' किया जाता है। उनका कहना था कि जैसे ही अदालत का आदेश या फैसला किसी पक्ष के खिलाफ आता है, मीडिया तक पहुंच रखने वाला पक्ष मनमाने ढंग से खबरें प्रसारित करने लगता है।

न्यायिक कार्यवाही की प्रभावशीलता बढ़ाने में न्याय क्षेत्र समन्वय समितियों की भूमिका विषय पर आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि अदालत ने आदेश दिया और जिस पक्ष के खिलाफ हमने फैसला किया, उसकी मीडिया तक पहुंच होती है। फिर अगले ही दिन न्यायाधीशों के नाम पर तरह-तरह की खबरें आने लगती हैं। लोग उसे पढ़ते हैं और उस पर विश्वास भी कर लेते हैं, लेकिन मैंने (न्यायाधीश ने) अपनी निष्ठा के साथ काम किया, यह किसी ने नहीं देखा, किसी ने नहीं लिखा। मीडिया में जो लिखा गया, लोगों ने वही देखा।

उन्होंने कहा कि मीडिया ट्रायल के कारण न्यायपालिका और न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आग्रह किया कि न्याय क्षेत्र संवेदनशील है, इसलिए न्यायिक कार्यों को प्रभावित करने वाले कदम नहीं उठाए जाने चाहिए। साथ ही, जनता की अंतिम आस्था के केंद्र अदालत की गरिमा बनाए रखने की भी अपील की। हजारों लोगों की भीड़ से पीछा किया गया कोई नागरिक जब न्याय मांगने के लिए अदालत के गेट के भीतर प्रवेश करे, तो उसे सुरक्षित महसूस होना चाहिए। वे हजार लोग बाहर खड़े होकर कुछ भी कहें, लेकिन न्याय वहीं मिलना चाहिए।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मिला दो हजार वर्ष पुराना तीन किलोग्राम का प्राचीन ताम्रपत्र

एजेंसी (हि.स.)
बिलासपुर/रायपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के मल्हार क्षेत्र निवासी संजीव पाण्डेय के पास से लगभग 2000 वर्ष पुराना लगभग 3 किलोग्राम वजन का एक प्राचीन ताम्रपत्र मिला है।

यह ताम्रपत्र भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के चलाए जा रहे 'ज्ञान भारतम्' अभियान के दौरान प्रकाश में आया। इस अभियान का उद्देश्य देश के कोने-कोने में छिपी प्राचीन पांडुलिपियों और ऐतिहासिक दस्तावेजों को खोजना और उन्हें संरक्षित करना है।

इतिहासकार डॉ. एलएस निगम ने पहले भी मल्हार को दक्षिण कोशल की कला और संस्कृति का केंद्र बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह ताम्रपत्र उस समय के भूमि दान या राजकीय आदेशों का प्रमाण हो सकता है, जो उस दौर के सामाजिक ढांचे को स्पष्ट करेगा।

इस ताम्रपत्र पर पाली भाषा का प्रयोग किया गया है। प्राचीन समय में विशेषकर बौद्ध काल और मौर्य काल के दौरान पाली आम जनमानस और धार्मिक उपदेशों की प्रमुख भाषा हुआ करती थी। जबकि इसे ब्राह्मी लिपि में लिखा गया है। ब्राह्मी लिपि से ही आधुनिक देवनागरी और कई अन्य भारतीय लिपियों का विकास हुआ है। अक्षरों के घुमाव और शैली से यह पता चलता है कि यह प्रथम सेंचुरी बीसी का है या बाद का।

वर्तमान में पुरातत्व विभाग और 'ज्ञान भारतम्' अभियान के विशेषज्ञ इस ताम्रपत्र की साफ-सफाई और इसके एक-एक अक्षर को पढ़ने का काम कर रहे हैं। पूर्ण अनुवाद होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इसमें किस राजा जैसे मौर्य सम्राट या सातवाहन शासक का उल्लेख है। विशेषज्ञों का मानना है कि ताम्रपत्र पर पाली भाषा और ब्राह्मी लिपि का यह मेल इसके मौर्यकालीन या उसके ठीक बाद के काल लगभग 2000 साल पुराना होने का पुख्ता संकेत देता है। उल्लेखनीय है कि मल्हार (पुराना नाम प्रसन्नपुर) प्राचीन काल में एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और धार्मिक केंद्र रहा है। यह खोज मौर्य या मौर्योत्तर काल की सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को समझने में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

यह खोज छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक और पुरातात्विक विरासत को दर्शाती है। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, ऐसे ताम्रपत्रों का उपयोग प्राचीन काल में भूमि दान, राजकीय आदेशों या धार्मिक घोषणाओं के दस्तावेजीकरण के लिए किया जाता था।

इतिहासकारों के मुताबिक ब्राह्मी लिपि भारतीय उपमहाद्वीप की प्राचीनतम लिपियों में शामिल है, जिसका व्यापक उपयोग मौर्य काल और उसके बाद के समय में हुआ करता था। वहीं पाली भाषा का सीधा संबंध बौद्ध साहित्य और धार्मिक शिक्षाओं से जुड़ा रहा है। ऐसे में इस ताम्रपत्र का महत्व केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत अहम हो जाता है।

सुदर्शन का अर्धशतक, गुजरात टाइटन्स ने सीएसके को आठ विकेट से हराया

एजेंसी (हि.स.)

चेन्नई

गुजरात टाइटन्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (87 रन) के अपने घरेलू मैदान पर लगाए गए अर्धशतक की मदद से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आठ विकेट से शिकस्त दी।

गुजरात टाइटन्स के गेंदबाजों के दबदबे के बावजूद सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के नाबाद 74 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की जिससे बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम सात विकेट पर 158 रन ही बना सकी।

गुजरात टाइटन्स के लिए कागिसो रबाडा ने 25 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि अरशद खान को 43 रन देकर दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार को एक एक विकेट मिला। सलामी बल्लेबाज सुदर्शन (46 गेंद, चार चौके, सात छक्के) और जोस बटलर (नाबाद 39 रन) की पारियों से गुजरात टाइटन्स ने 16.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन बनाकर जीत हासिल की। सुदर्शन 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए और चौथी गेंद पर बटलर ने छक्का जड़कर टीम को आसान जीत दिलाई। सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल (33 रन, 23 गेंद, एक चौका, तीन छक्के) ने अच्छी शुरूआत की। गिल के आउट होने के बाद सुदर्शन और बटलर (30 गेंद, चार चौके, एक छक्का) ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

पिछले मैच में सुदर्शन के शतक जड़ने के बावजूद गुजरात टाइटन्स को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब स्कोर इतना बड़ा नहीं था जिससे गुजरात टाइटन्स ने लगातार दो हार के बाद जीत दर्ज की। इस जीत से उसके आठ मैच में आठ अंक हो गए हैं जिससे वह पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

सुदर्शन और गिल ने पावरप्ले में 55 रन बना लिए थे जबकि सीएसके का स्कोर तीन विकेट पर 28 रन था।

गिल सातवें ओवर में नूर अहमद की गेंद पर आउट हुए जब सतर्क विकेटकीपर संजू सैमसन ने उनके स्टंप उखाड़ दिए।

गुजरात टाइटन्स ने 10 ओवर में एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। सुदर्शन ने अपनी पारी के दौरान कुद दर्शनीय शॉट लगाए और अकील हुसैन की गेंद पर आउट होने से पहले टीम को जीत तक पहुंचा दिया।

इससे पहले गायकवाड़ 60 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और चार छक्के जमाकर फॉर्म में लौटे। उनके अलावा शिवम दुबे ने 22 रन का योगदान दिया और जेमी ओवरटन ने अंत में छह गेंद में तीन चौके और एक छक्के से 18 रन की उपयोगी पारी खेली।

सिराज और रबाडा ने चिलचिलाती गर्मी में चेपॉक स्टेडियम की उछाल भरी पिच पर शानदार गेंदबाजी की। सिराज ने पहले ओवर में शानदार शुरूआत करते हुए महज एक रन दिया।

पिछले मैच में शतक जड़ने वाले संजू सैमसन (11 रन) ने दूसरे ओवर में रबाडा पर चौका जड़कर आईपीएल में 5000 रन पूरे किए। इस बल्लेबाज ने एक और चौका लगाकर इस ओवर में 10 रन जुटाए। कप्तान गायकवाड़ ने तीसरे ओवर में सिराज पर कवर और फाइन लेग पर दो शानदार चौके लगाकर हाथ खोले।

लेकिन चौथे ओवर में सीएसके को दोहरे झटके लगे जिसमें उसने शानदार फॉर्म में चल रहे सैमसन और उर्विल पटेल (04) के विकेट गंवा दिए।

रबाडा की गेंद सैमसन के बल्ले का किनारा चूमती हुई विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों में समां गई। उर्विल क्रीज पर उतरे, उन्होंने एक गेंद खेलने के बाद दूसरी गेंद को मिड ऑफ पर चौके के लिए भेजा। हालांकि अगली गेंद को पुल करने की कोशिश में जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हुए। इम्पैक्ट प्लेयर सरफराज खान खाता भी नहीं खोल सके और पांचवें ओवर में सिराज की पहली ही गेंद पर बटलर को कैच थमा बैठे।

ईशान किशन ने पैट कमिंस की वापसी पर जताई खुशी, बताया शानदार कप्तान

एजेंसी (हि.स.)

जयपुर

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि वह एक शानदार कप्तान हैं और उनके आने से टीम की गेंदबाजी को अतिरिक्त मजबूती मिली है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के एक रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से मात दी। शनिवार रात खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने छह विकेट पर 228 रन बनाए। इसके जवाब में हैदराबाद ने 18.3 ओवर में पांच विकेट खोकर 229 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मुकाबले में नियमित कप्तान पैट कमिंस चोट से उबरकर टीम में लौटे। उनकी अनुपस्थिति में ईशान किशन टीम की अगुवाई कर रहे थे। किशन ने इस मैच में 31 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 74 रन की शानदार पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मैच के बाद ईशान ने कहा कि यह पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी थी और टीम की कोशिश राजस्थान को 230 रन से कम पर रोकने की थी, जिसमें हम सफल रहे। कप्तानी के अनुभव पर उन्होंने कहा कि सात मैचों तक टीम का नेतृत्व करना मजेदार रहा। कमिंस की वापसी से टीम को गेंदबाजी में अतिरिक्त ताकत मिली है। जब वह टीम में आए तो मैं बहुत खुश था क्योंकि वैसे भी वह एक शानदार कप्तान हैं, इसलिए मैं नेतृत्व से ज्यादा अपनी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग पर ध्यान दे रहा था।

बड़े लक्ष्य का पीछा करने को लेकर उन्होंने कहा कि 228 जैसे बड़े स्कोर का पीछा करते समय पॉवरप्ले में अच्छी शुरूआत अत्यंत आवश्यक होती है। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाजों की उपस्थिति से मध्यक्रम के बल्लेबाजों का कार्य सरल हो जाता है। उन्होंने बताया कि हमें पता था कि किस रन रेट से रन बनाने हैं। मैं बस अपने शॉट्स खेल रहा था। बीच के ओवरों में हमारी अच्छी साझेदारी हुई और इससे हमारी टीम को काफी फायदा हुआ। अंत में ईशान ने कहा कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी आना शेष है। इस जीत के साथ हैजराबाद अंक तालिका में 10 अंकों और +0.815 के रन दर के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टीम ने आठ में से पांच मुकाबले जीते हैं। राजस्थान के भी 10 अंक हैं और वह चौथे स्थान पर है। फिलहाल 13 अंकों के साथ पंजाब किंग्स शीर्ष पर मौजूद है। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

वैभव सूर्यवंशी का धमाकेदार शतक बेकार, सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हराया

एजेंसी (हि.स.)

जयपुर

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 36वें मुकाबले में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के ऐतिहासिक शतक के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को हार का सामना करना पड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद ने जयपुर के सवाई मानसिंग स्टेडियम में खेले गए हाई स्कोरिंग मुकाबले में 5 विकेट से जीत दर्ज की।

राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 228 रन बनाए। टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 37 गेंदों में 103 रनों की तूफानी पारी खेली और 36 गेंदों में अपना दूसरा आईपीएल शतक पूरा किया। उन्होंने अपनी पारी में 12 छक्के और 5 चौके लगाए, जबकि ध्रुव जुरेल ने 51 रन और डोनोवन फरेरा ने 16 गेंदों में 33 रन बनाए।

229 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर मैच जीत लिया। टीम की ओर से ईशान किशन ने 74 और अभिषेक शर्मा ने 57 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। इसके अलावा नीतीश कुमार रेड्डी ने 36 और हेनरिक क्लासन ने 29 रन का अहम योगदान दिया।

राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर और ब्रजेश शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि हैदराबाद के लिए ईशान मलिंगा ने 2 विकेट चटकाए।

इस जीत के साथ सनराइजर्स हैदराबाद अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि राजस्थान रॉयल्स बेहतर नेट रन रेट के अभाव में चौथे स्थान पर खिसक गई। दोनों टीमों के अब 10-10 अंक हैं, लेकिन हैदराबाद आगे है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान महिला टीम की घोषणा

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे महिला टीम के विरुद्ध आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज कराची (पाकिस्तान) में चार मई से शुरू होगी। वनडे के बाद तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जाएगी और इसके लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। आईसीसी के अनुसार मेजबान टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। उनकी कप्तानी में हाल ही में

टीम को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध वनडे और टी-20 दोनों सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। 15 सदस्यीय टीम में मोमिना रियासत को पहली बार शामिल किया गया है। जिम्बाब्वे की टीम सपेद गेंद की सीरीज के लिए पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी और 29 अप्रैल को कराची पहुंचेगी। इसके बाद वह 30 अप्रैल से 3 मई तक करांची के नेशनल बैंक स्टेडियम में अभ्यास करेगी। दोनों टीमों के बीच दूसरा और तीसरा वनडे क्रमशः 6 और 9 मई को खेला जाएगा, जिसके बाद 12 मई से तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज शुरू होगी। सभी मैच कराची में खेले जाएंगे।

दीप्ति की दमदार वापसी, चौथे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन पर जताई खुशी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध चौथे टी-20 में अपने प्रदर्शन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मैं हमेशा खुद पर भरोसा रखती हूं कि मैं जोरदार वापसी करूंगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी-20 मैच में दीप्ति ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए जोरदार वापसी की। 28 वर्षीय दीप्ति ने पहले भारतीय टीम की पारी को संभालते हुए नाबाद 36 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और फिर गेंद से भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 19 रन देकर पांच विकेट हासिल किए, जो टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनका पहला पांच विकेट लेने का कारनामा था। उनके इस प्रदर्शन से भारत को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध पांच मैचों की टी-20 सीरीज में पहली जीत मिली।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार दीप्ति ने प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीतने के बाद कहा कि इसका पूरा श्रेय मेरी टीम के साथियों को जाता है जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया।

दीप्ति शर्मा खराब फॉर्म से जूझ रही थीं। पिछले पांच टी-20 मैचों में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था और बल्ले से भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। हालांकि, भारतीय टीम के मुख्य कोच अमोल मुजुमदार ने अपनी स्टार खिलाड़ी पर वापसी का भरोसा जताया था और दीप्ति ने जोहान्सबर्ग में मैच जिताने वाला शानदार प्रदर्शन करके इस भरोसे को सही साबित कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के बाद मजूमदार ने दीप्ति शर्मा का समर्थन करते हुए कहा था कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। हमने विश्व कप में, बड़े टूनार्मेंटों में, दबाव वाली परिस्थितियों में देखा है कि उन्होंने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। कोच ने कहा था कि मुझे लगता है कि फॉर्म में आने में बस कुछ ही समय बाकी है और मैं और पूरा देश यही उम्मीद कर रहे हैं कि इसकी शुरूआत कल से हो। वह लंबे समय से एक प्रमुख खिलाड़ी रही हैं और उन्होंने मध्य क्रम में उस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। मेरा मतलब है, वह इस समय भारतीय महिला क्रिकेट के स्तंभों में से एक हैं।

सीरीज की शुरूआत में भारत दक्षिण अफ्रीका को चुनौती देने में नाकाम रहा और पहले तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि दीप्ति शर्मा का मानना है कि भारत के लिए इस सीरीज से कई सकारात्मक बातें सीखने को मिली हैं। खासकर आज के मैच ने हमें आगे बढ़ने के लिए काफी आत्मविश्वास दिया है। दीप्ति ने कहा कि जब भी हम खेलते हैं, हम एक टीम के रूप में खेलते हैं, चाहे गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी इकाई। हमें आगे भी इसी विश्वास को बनाए रखना होगा।

मैच की बात करें तो चौथे टी-20 मैच में भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में पांच विकेट पर 185 रन बनाए थे। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका महिला टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 171 रन ही बना सकी और 14 रनों से मुकाबला हार गई।

दोनों टीमों के बीच सीरीज का पांचवां और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच 27 अप्रैल को बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका) में खेला जाएगा।

मानसिक रोग बढ़ा सकते हैं बीमारियों का खतरा

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं दुनियाभर में तेजी से बढ़ती जा रही हैं, सभी उम्र के लोगों को इसका शिकार पाया जा रहा है। स्ट्रेस-एंग्जाइटी से लेकर डिप्रेशन जैसी मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं संपूर्ण स्वास्थ्य को भी प्रभावित करने वाली हो सकती हैं। मन और शरीर को अक्सर अलग-अलग माना जाता है, हालांकि डॉक्टर कहत हैं, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य वास्तव में एक-दूसरे से बहुत करीब से जुड़े हुए हैं। अच्छा मानसिक स्वास्थ्य आपके शारीरिक स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी है। स्ट्रेस-डिप्रेशन जैसी समस्याओं का यदि समय पर निदान या इलाज न हो पाए तो इसका कारण कई तरह की बीमारियां होने का खतरा भी बढ़ जाताहै।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

बातचीत में इंटेंसिव केयर के डॉक्टर निर्मल सिंह बताते हैं, शरीर को स्वस्थ रखने और कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के खतरे के कम करने के लिए मेंटल हेल्थ का ध्यान रखना बहुत जरूरी माना जाता है। एक अध्ययन में पाया गया है कि सकारात्मक मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य, दिल के दौरे और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है। वहीं जिन लोगों को स्ट्रेस-एंग्जाइटी या अन्य किसी प्रकार की दिक्कत होती है इनमें न्यूरोलॉजिकल बीमारियों सहित अस्थमा, हृदय रोगों को जोखिम बढ़ सकता है।

नींद होने लगती है प्रभावित

मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति वाले लगभग 50त्र से 80त्र लोगों को नींद की समस्या होने लगती है। हालांकि सामान्य आबादी में से केवल 10त्र से 18त्र लोगों को नींद की समस्या का अनुभव होता है। नींद न आने या नींद की कमी होने को कई प्रकार की बीमारियों का प्रमुख कारण माना जाता है। नींद संबंधी विकार हृदय रोग, स्ट्रोक और मधुमेह जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों का खतरा बढ़ा देते हैं। इसके अलावा नींद की कमी के कारण वजन बढ़ने का भी जोखिम रहता है जिसे डायबिटीज और हार्ट की समस्याओं का प्रमुख कारण माना जाता है।

क्रोनिक बीमारियों का खतरा

अध्ययनों में पाया गया है कि मानसिक स्वास्थ्य में गड़बड़ी के शिकार लोगों में क्रोनिक बीमारियों जैसे मधुमेह, अस्थमा, कैंसर, हृदय रोग का खतरा अधिक होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि डिप्रेशन के शिकार लोगों में हृदय रोग, स्ट्रोक होने का जोखिम अधिक होता है। मेंटल हेल्थ की समस्याओं में होने वाले हार्मोनल बदलाव का संपूर्ण स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर देखा जाता रहा है।

बढ़ते हृदय रोगों की भी एक वजह

हृदय रोग, हार्ट अटैक के मामले वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे है, इसके लिए खराब मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों को भी एक कारण माना जाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि चिंता और अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य स्थितियां हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा सकती हैं। इसी तरह अकेलापन महसूस करना या सोशल आइसोलेशन में रहने वाले लोगों में भी हृदय रोगों से संबंधित समस्याएं देखी जाती रही हैं।

रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं मलेरिया के मामले, डेंगू ने भी बढ़ाई चिंता; दिल्ली वाले हो जाएं सावधान

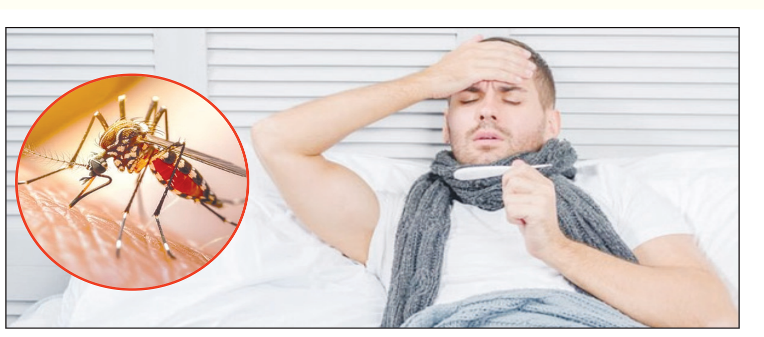

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते मच्छर जनित रोगों के मामले स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बने हुए हैं। यहां डेंगू के साथ-साथ मलेरिया रोगियों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार मलेरिया के मामलों ने नोएडा में पिछले तीन साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस साल अब तक यहां मलेरिया के 106 रोगियों की पहचान की गई है, जो साल 2022 में कुल दर्ज 104 मामलों से अधिक है। पिछले साल 2023 में 44 केस सामने आए थे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सभी लोगों को मच्छरों से बचाव के उपाय करते रहने की सलाह दी है। दिल्ली-एनसीआर में मलेरिया और डेंगू दोनों ही बीमारियां बड़े खतरे के रूप में उभरती देखी जा रही हैं। नोएडा में अब तक डेंगू के 128 मामले सामने आए हैं। वहीं राजधानी दिल्ली में सितंबर के आखिरी हफ्ते में डेंगू के 300 से ज्यादा नए मामले सामने आए। इस साल 20 सितंबर तक दिल्ली-एनसीआर में डेंगू के कुल 1229 मामले दर्ज किए गए और दो लोगों की मौत भी हुई है।

डेंगू और मलेरिया का खतरा

जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने सभी लोगों को मच्छरों से बचाव और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय करते रहने की सलाह दी है। अधिकारी ने बताया मच्छरों के पनपने के स्थानों की जांच की जा रही है। आवासीय सोसाइटियों और घरों में जहां मच्छरों के लार्वा पाए गए हैं, वहां 150 से अधिक नोटिस जारी किए गए हैं। डेंगू और मलेरिया के मच्छर स्थिर पानी में पनपते हैं, इसलिए जल जमाव को रोकना जरूरी है। मलेरिया की स्थिति कुछ मामलों में जानलेवा भी हो सकती है।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

बातचीत में ग्रेटर नोएडा स्थित अस्पताल में इंटरनल मेडिसिन के डॉक्टर श्रेय श्रीवास्तव ने बताया कि हर दिन ओपीडी में डेंगू-मलेरिया के रोगियों का निदान किया जा रहा है। बुखार की समस्या के साथ आ रहे 60 फीसदी लोगों में डेंगू का निदान किया जा रहा है, मलेरिया के मरीजों की संख्या में बढ़ रही है। चिंताजनक ये है कि कई बार जांच में मलेरिया की रिपोर्ट निगेटिव आ जाती है जबकि मरीज में सारे लक्षण होते हैं। इन स्थितियों में विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है क्योंकि मरीजों में प्लेटलेट काउंट तेजी से कम होने का खतरा रहता है जिससे लक्षण बिगड़ सकते हैं।

मलेरिया के लक्षणों को जानिए

मलेरिया से पीड़ित लोगों में आमतौर पर तेज बुखार और ठंड लगने की दिक्कत देखी जाती है। इसके साथ कुछ लोगों को मतली और उल्टी, पेट में दर्द, मांसपेशियों या जोड़ों में दर्द की दिक्कत हो सकती है। मलेरिया के लक्षण आमतौर पर संक्रमित मच्छर काटने के कुछ हफ्तों के भीतर शुरू होते हैं। अगर किसी को चार-पांच दिनों से तेज बुखार की समस्या हो रही है तो उसे डॉक्टर की सलाह पर जांच जरूर करा लेनी चाहिए। समय पर इन बीमारियों का निदान और इलाज न होने पर रोग के लक्षणों के गंभीर रूप लेने का खतरा रहता है।

मच्छरों से बचाव के करें उपाय

डॉक्टर कहते हैं, मलेरिया-डेंगू के खतरे को कम करने के लिए मच्छरों से बचाव के लिए प्रयास करते रहना जरूरी है। इसके लिए पूरी आस्तीन के सुरक्षात्मक कपड़े पहनें, मच्छरदानी और कीटनाशकों का प्रयोग करें। जिन स्थानों पर मलेरिया के मामले अधिक हैं वहां की यात्रा से बचें। नवजात-बच्चों, बुजुर्गों में इन रोगों के कारण लक्षणों के गंभीर रूप लेने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। गर्भवती के लिए भी मलेरिया और डेंगू की स्थिति खतरनाक हो सकती है, इसलिए बचाव के उपाय जरूरी हैं।

अक्सर पीते हैं कॉफी या फ्रूट जूस तो हो जाइए सावधान, कहीं ये बढ़ा न दें स्ट्रोक का खतरा?

क्यों नुकसानदायक हैं पैक्ड जूस?

असल में बाजार में मिलने वाले फलों के पैक्ड जूस में अधिक मात्रा में एडेड शुगर और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं, इसी वजह से इन्हें खतरनाक पाया गया है। ये तत्व पैक्ड जूस में मौजूद फलों के लाभ को भी कम कर देते हैं। प्रोफेसर एंड्रयू स्मिथ कहते हैं, जूस पीना चाहते हैं तो हमेशा ताजे फलों का जूस लें, पैक्ड नहीं।

ज्यादा कॉफी भी ठीक नहीं

पेय पदार्थों को लेकर हुए एक अन्य अध्ययन में स्ट्रोक के खतरे को कम करने के तरीके भी बताए गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कॉफी-पैक्ड जूस की जगह चाय पीना अच्छा विकल्प हो सकता है। चाय के सेवन से स्ट्रोक के खतरे को 27त्र से 29त्र तक कम किया जा सकता है, हालांकि चाय में दूध मिला देने से ये लाभ कम हो जाते हैं।

ऑफिस में बैठे-बैठे अगर आप भी दिनभर में तीन-चार कप कॉफी पी जाते हैं तो अब जरा सावधान हो जाइए। आपकी ये आदत कहीं जानलेवा न साबित हो जाए? असल में एक हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने कुछ पेय पदार्थों से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर लोगों को सावधान किया है। शोधकर्ताओं ने कहा, जो लोग कार्बोनेटेड पेय पदार्थ जैसे कोल्ड ड्रिंक्स या सोडा, पैक्ड फलों का जूस या कॉफी का अधिक सेवन करते हैं उनमें स्ट्रोक होने का जोखिम अधिक हो सकता है। स्ट्रोक को दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। जर्नल ऑफ स्ट्रोक में प्रकाशित शोध के अनुसार दिन में चार कप से ज्यादा कॉफी पीने से स्ट्रोक का जोखिम 37त्र बढ़ जाता है। कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के लगातार सेवन से स्ट्रोक का जोखिम 22त्र और पैक्ड फलों के जूस से 37त्र बढ़ जाता है। आयरलैंड के गैलवे विश्वविद्यालय में क्लिनिकल महामारी विज्ञान के प्रोफेसर एंड्रयू स्मिथ कहते हैं, एक डॉक्टर और स्ट्रोक के जोखिम पर शोध करने वाले व्यक्ति के रूप में, मैं सभी लोगों को फिजी ड्रिंक्स, पैक्ड जूस का सेवन कम से कम करने की सलाह देता हूं। हमारे अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रतिदिन एक कार्बोनेटेड पेय पदार्थ पीने से आपमें स्ट्रोक का जोखिम 22त्र तक बढ़ सकता है। पैक्ड जूस पीने से स्ट्रोक का खतरा महिलाओं में सबसे अधिक देखा गया है। ये अध्ययन अवलोकन पर आधारित हैं।

रूमेटोलॉजिकल रोग जागरूकता वॉक: पीजीआई से सुखना लेक तक

पीजीआईएमईआर विशेषज्ञों ने मस्कुलोस्केलेटल रोगों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

रूमेटोलॉजिकल रोग जागरूकता माह के समापन अवसर पर, पीजीआईएमईआर के आंतरिक चिकित्सा विभाग द्वारा पीजीआईएमईआर से सुखना लेक तक एक जन-जागरूकता वॉक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों के प्रबंधन और रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना था।

सुखना लेक पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रो. विवेक लाल, निदेशक, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ ने स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम और संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जागरूकता पहलें अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि ये रोग जनसंख्या के बड़े हिस्से को प्रभावित करते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जागरूकता गतिविधियों की शुरुआत बचपन और स्कूल स्तर से ही की जानी चाहिए। उन्होंने ऑस्टियोपोरोसिस की बढ़ती समस्या पर भी चर्चा की तथा सभी को धूम्रपान और शराब छोड़ने की सलाह दी। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. अमन शर्मा, क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी एवं रूमेटोलॉजी डिवीजन, आंतरिक चिकित्सा विभाग, पीजीआईएमईआर तथा वर्तमान अध्यक्ष, इंडियन रूमेटोलॉजी एसोसिएशन ने भारतीय जनसंख्या में रूमेटिक एवं मस्कुलोस्केलेटल (फ्ढ्रड) रोगों की उच्च प्रचलनता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि धूम्रपान विभिन्न रूमेटोलॉजिकल रोगों, जैसे रूमेटाइड आर्थराइटिस, को सक्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जबकि शराब का सेवन हड्डियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि शराब की थोड़ी मात्रा भी हानिकारक होती है।

उन्होंने यह भी बताया कि कई प्रकार की विभिन्न चिकित्सिय स्थितियाँ ह्यआर्थराइटिसह्न के रूप में सामने आ सकती हैं, इसलिए समय पर और उचित उपचार के लिए रूमेटोलॉजी विशेषज्ञ से परामर्श लेना आवश्यक है। उन्होंने दैनिक जीवन में किसी न किसी रूप में व्यायाम को शामिल करने के महत्व पर भी जोर दिया। प्रो. अमन शर्मा ने जानकारी दी कि यह वॉक, इंडियन रूमेटोलॉजी एसोसिएशन द्वारा देशव्यापी जागरूकता अभियान का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य रूमेटोलॉजिकल और मस्कुलोस्केलेटल रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस जागरूकता वॉक को नेहरू अस्पताल से प्रो. संजय जैन (डीन रिसर्च), श्री पंकज राय (डिप्टी डायरेक्टर) और डॉ. विपिन कौशल (मेडिकल सुपरिटेंडेंट) द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें पीजीआई के फैकल्टी सदस्य, रेजिडेंट्स, कर्मचारी, मरीज, वास्कुलाइटिस सोसाइटी के सदस्य और आम जनता शामिल थे।

प्रो. जितेंद्र कुमार साहू एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ की पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी यूनिट ने एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी (अड्डढ), इंडिया के सहयोग से शिशु स्वास्थ्य (क्लल्ल्इ्ी स्त्र२२) पर 25 वर्षों के अग्रणी शोध के उपलक्ष्य में एक ऐतिहासिक पीडियाट्रिक एपिलेप्सी रिसर्च संगोष्ठी का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण अड्डढ के नए पदाधिकारियों की स्थापना रही।

पीजीआईएमईआर की पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी यूनिट के प्रो. जितेंद्र कुमार साहू को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में स्थापित किया गया। अपने संबोधन में प्रो. साहू ने संगठन की दृष्टि ह्वहर बच्चे का मस्तिष्क महत्वपूर्ण है, हर जगहह्न प्रस्तुत करते हुए बच्चों के लिए समान और सुलभ न्यूरोलॉजिकल देखभाल को बढ़ावा देने के अड्डढ के मिशन को दोहराया। इस समारोह में पीजीआईएमईआर के निदेशक प्रो. विवेक लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि इंटरनेशनल चाइल्ड न्यूरोलॉजी एसोसिएशन की अध्यक्ष प्रो. प्रतिभा सिंघी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर देशभर से कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. अनूप वर्मा (राष्ट्रीय समन्वयक, अड्डढ), डॉ. विनीत वानखेड़े (महासचिव, अड्डढ), प्रो. नवीन संखान (आयोजन अध्यक्ष), डॉ. प्रियंका मदान (आयोजन सचिव) सहित अन्य बोर्ड सदस्य शामिल रहे। यह अपनी तरह का पहला पीडियाट्रिक एपिलेप्सी रिसर्च संगोष्ठी था, जिसमें 130 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और बाल मिर्गी के क्षेत्र में ज्ञान-विनिमय और नवाचार के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों—पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी, न्यूरोरेडियोलॉजी, फार्मेसी, फार्माकोलॉजी, इंजीनियरिंग, नर्सिंग तथा बुनियादी विज्ञान—से स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों और संकाय सदस्यों ने शोध प्रस्तुत किए। यह बहु-विषयक भागीदारी बाल मिर्गी में सहयोगात्मक और ट्रांसलेशनल शोध के महत्व को दर्शाती है।

इसके अतिरिक्त, बाल मिर्गी अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रो. बिस्वरूप चक्रवर्ती (अक्कढ्ढ, नई दिल्ली) और प्रो. दीपिका बंसल (ठ्यढएफ एसएएस नगर) को सम्मानित किया गया। यह महत्वपूर्ण पहल पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ को भारत में बाल मिर्गी अनुसंधान, सहयोग और नवाचार का एक अग्रणी केंद्र स्थापित करती है।

सनातन की पहचान, गौ माता का सम्मान: चंद्रकांत जी महाराज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

श्री सनातन समाज चेरिटेबल ट्रस्ट एवं श्री राधा कृष्ण मंदिर, सेक्टर 40-ए के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दिव्य गौ कथा का समापन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के दिव्य वातावरण में संपन्न हुआ। अंतिम दिवस पर श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने पूरे परिसर को भक्ति-रस से सराबोर कर दिया। कथा के दौरान पूज्य चंद्रकांत जी महाराज ने ह्वसनातन की पहचान-गौ माता का सम्मानह्न विषय पर अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि सनातन संस्कृति में गौ माता केवल एक जीव नहीं, बल्कि मातृत्व, पोषण, करुणा और धर्म की सजीव प्रतीक हैं। शास्त्रों में उन्हें ह्वविश्व की माताह्न का गौरव प्रदान किया गया है, क्योंकि वे मानव जीवन के पोषण, कृषि व्यवस्था, औषधीय उपयोग तथा पर्यावरण संतुलन में अद्वितीय योगदान देती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गौ सेवा मात्र आस्था का विषय नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक एवं सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। यह हमें सह-अस्तित्व, संवेदनशीलता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देती है। वर्तमान परिवेश में गौ संरक्षण और संवर्धन का महत्व और अधिक बढ़ गया है, जो समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का माध्यम बन सकता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक विधि से हवन-पूजन के साथ हुआ, जिससे पूरे मंदिर परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष संचार हुआ। ह्लगौ माता की जयह्व एवं ह्लसनातन धर्म की जयह्व के गगनभेदी उद्घोषों ने वातावरण को पूर्णतः भक्तिमय बना दिया। ट्रस्ट के पदाधिकारी अजय सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन में समाज के सभी वर्गों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही और श्रद्धालुओं ने अत्यंत भावपूर्ण मन से कथा का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद सुनीता धवन, भारत विकास परिषद चेरिटेबल ट्रस्ट से अजय दत्ता, अशोक गोयल, राकेश सहगल सहित ट्रस्ट के समस्त सदस्य एवं मंदिर कमेटी के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज पंचकूला ने भाजपा के मेयर उम्मीदवार शाम लाल बंसल को दिया समर्थन

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम चुनावों को लेकर शहर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों द्वारा अपने-अपने स्तर पर उम्मीदवारों को समर्थन देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में पंचकूला के समस्त अग्रवाल समाज ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मेयर पद के उम्मीदवार भाई शाम लाल बंसल को अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि भाई शाम लाल बंसल एक ईमानदार, कर्मठ और समाजसेवी व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है और आमजन के बीच उनकी अच्छी छवि है। बैठक में उपस्थित प्रमुख सदस्यों में जगमोहन गर्ग, सत प्रकाश अग्रवाल, प्रदीप गोयल, एल.एन. माहेश्वरी, जय राजा गर्ग, मुकेश गर्ग, जनक राज गर्ग, अश्वनी मित्तल, रोशन लाल गर्ग, ओ.पी. गोयल, अरुण सिंघल, दिनेश गुप्ता, लाजपत राय बंसल, राम गोपाल गोयल, तेजिंदर गुप्ता, राकेश गर्ग और संजय जैन शामिल रहे। समाज के पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि वे चुनाव के दौरान सक्रिय रूप से प्रचार-प्रसार में भाग लेंगे और अधिक से अधिक लोगों तक अपनी बात पहुंचाएंगे। उनका मानना है कि संगठित प्रयासों से ही शहर के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। इसके साथ ही अग्रवाल समाज ने 1 मई 2026 को शाम 6 बजे सेक्टर-16 स्थित अग्रवाल भवन में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय भी लिया है। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल तथा विश्व विख्यात भजन गायक कन्हैया मित्तल के विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे । कार्यक्रम को लेकर समाज के सदस्यों में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी की उम्मीद जताई जा रही है।

संक्षिप्त-समाचार

अंशू और अभिजीत की गेंदबाजी से सब जूनियर-1 को जीत

चंडीगढ़। राय स्कूल ऑफ क्रिकेट एकेडमी, नयागांव में सब जूनियर्स के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। इस मैच में सब जूनियर-1 ने सब जूनियर-2 को 13 रनों से शिकस्त दी। सब जूनियर-1 की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में नौ विकेट खोकर 114 रन बनाए। उनकी ओर से मितांश तिवारी ने सर्वाधिक 16 रन बनाए। पार्थ और अभिजीत ने भी 10-10 रनों का योगदान दिया। सब जूनियर-2 की ओर से सूरज चौहान ने तीन और प्रियांशी ने दो विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करते हुए सब जूनियर-2 टीम 101 रनों पर ऑल आउट हो गई। उनकी ओर से नमन पुनिया ने सबसे ज्यादा 12 रन बनाए। वहीं, सब जूनियर-1 की ओर से अंशू और अभिजीत ने 2-2 विकेट लिए।

भारत विकास परिषद, एमएससी शाखा ने किया पक्षी सेवा अभियान चलाने का निर्णय

चंडीगढ़। भारत विकास परिषद, एमएससी शाखा की प्रथम कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष विजय रावत ने की। बैठक में आगामी वर्ष के लिए शाखा द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई एवं सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई। शाखा की सदस्य श्रीमती उषा अरोड़ा को चंडीगढ़ प्रांत में ह्यसंस्कार गतिविधि प्रमुखह्न नियुक्त किया गया। बैठक में नई कार्यकारिणी के गठन पर भी विचार-विमर्श हुआ। साथ ही निर्णय लिया गया कि पक्षी सेवा अभियान के अंतर्गत हर माह के प्रथम सप्ताह में पार्कों एवं छतों पर पक्षियों के लिए पानी के कसौरे सामूहिक रूप से लगाए जाएंगे, जिसमें प्रत्येक सदस्य भाग लेगा। आज की बैठक में शाखा अध्यक्ष विजय रावत, सचिव मुकेश कुमार, कोषाध्यक्ष करण चौहान, वरिष्ठ सदस्य श्रीमती गीता टंडन, एचसी कुमार, एके टंडन, ईस्ट जोन कोऑर्डिनेटर प्रमोद आहूजा, ईस्ट जोन महिला प्रमुख एवं शाखा सदस्य श्रीमती सुनीता अरोड़ा, बाल संस्कार प्रमुख श्रीमती प्रभा मैनी, अश्विनी अरोड़ा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में अनिल किशोर टंडन जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

सेक्टर वासियों की मांग के अनुसार तय होगी नीड बेस्ड विकास एजेंडा

पंचकूला। पंचकूला के वार्ड नंबर 6 से निर्दलीय प्रत्याशी प्रवीण गोयल ने कहा है कि चुनाव जीतने के बाद उनकी सबसे पहली प्राथमिकता यहां के लोगों की मांग के अनुसार विकास कार्यो के लिए नीड बेस्ड एजेंडा बनाना होगा। प्रवीण कुमार गोयल आज वार्ड नंबर छह के अंतर्गत आते सेक्टर 17 व 18 में लोगों के घरों में गए तथा उनकी समस्याओं को जाना। इसके बाद उन्होंने यहां के दुकानदारों से मुलाकात करके विकास कार्यो पर चर्चा की। उन्होने लोगों को आश्वासन दिया कि उन्हें नगर निगम से संबंधित कार्यो के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे वह स्वयं लोगों के विकास कार्य पहल के आधार पर करवाएंगे। नगर निगम में काम करवाने के लिए पार्षद प्रतिनिधि उपलब्ध रहेंगे। मार्केट एसोसिएशन की तरफ से प्रवीण गोयल को चुनाव में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। प्रवीण गोयल ने वार्ड वासियों को आश्वासन दिया कि वह हर समय उनके लिए उपलब्ध रहेंगे। वार्ड में अभी भी बहुत से काम ऐसे हैं जिनकी तरफ ध्यान नहीं दिया गया। चुनाव के बाद वह इन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर हल करवाएंगे। प्रवीण गोयल ने वह अपने विकास का एजेंडा लेकर लोगों में जा रहे हैं,जिसे लोग स्वीकार कर रहे हैं। लोगों को अब कोई और विकल्प नहीं तलाशना पड़ेगा।

सहकार भारती और हमारा परिवार द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 402 लोगों ने जांच कराई

चंडीगढ़। सहकार भारती, चण्डीगढ़ और समाजसेवी संस्था हमारा परिवार द्वारा रामदरबार स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आम जनता के लिए रक्त शर्करा, रक्तचाप, ईसीजी, एनीमिया जांच तथा महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग जैसी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। सभी सेवाओं का लाभ बिना किसी शुल्क के बड़ी संख्या में लोगों ने उठाया। शिविर में 402 लोगों ने भाग लिया। इतनी बड़ी संख्या में हुई भागीदारी ने समाज में निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति बढ़ती जागरूकता को दशार्या। शिविर की खास विशेषता स्तन कैंसर की जांच के लिए आधुनिक थर्मल स्कैनिंग तकनीक रही, जिसे बेंगलुरु स्थित निरामाई हेल्थ एनालिटिक्स द्वारा विकसित किया गया है। यह तकनीक गैर-आक्रामक, गोपनीयता-संरक्षित और अत्यधिक सटीक मानी जाती है। इस सुविधा का लाभ लगभग 250 महिला प्रतिभागियों ने उठाया। स्वास्थ्य शिविर में दस विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सेवाएँ प्रदान कीं, जिससे सभी प्रतिभागियों को उचित चिकित्सा परामर्श और मार्गदर्शन मिल सका।

नए ज्वाइंट कमिश्नर से मिला ऑल मनीमाजरा वेलफेयर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल, एनओसी में आ रही दिक्कतों बारे उठाई आवाज

सिटी दर्पण संवाददाता
मनीमाजरा

नगर निगम के मनीमाजरा स्थित सब ऑफिस का नया चार्ज संभालने के बाद ज्वाइंट कमिश्नर बलबीर राय सिंह (पीसीएस) ने शुक्रवार शाम कार्यालय पहुंचकर कार्यप्रणाली का जायजा लिया और स्टाफ से मुलाकात की। इसी दौरान मनीमाजरा वेलफेयर एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधान एसएस परवाना के नेतृत्व में उनसे मिला और क्षेत्रवासियों की समस्याओं से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से मनीमाजरा में मकानों की एनओसी न मिलने की समस्या को प्रमुखता से उठाया। एसोसिएशन के प्रधान एसएस परवाना एवं साथ गए प्रतिनिधिमंडल ने ज्वाइंट कमिश्नर बताया कि स्थानीय सब ऑफिस का स्टाफ पूरी निष्ठा से काम कर रहा है, और लोगों की मदद भी कर रहा है, लेकिन उच्च स्तर पर बनी कुछ शर्तों और प्रक्रियाओं के कारण एनओसी जारी होने में बाधाएं आ रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस समस्या का समाधान कमिश्नर या ज्वाइंट कमिश्नर स्तर पर ही संभव है, इसलिए इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई की आवश्यकता है। प्रतिनिधिमंडल ने ज्वाइंट कमिश्नर से लोगों को राहत दिलाने की मांग की। इस मौके पर सब ऑफिस की टैक्स ब्रांच सब ऑफिस के इंचार्ज सुपरिटेंडेंट डीपी सिंह भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त बयान में बताया कि जॉइंट कमिश्नर ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जल्द एनओसी की प्रक्रिया को आसान कर के लोगों को एनओसी देने की प्रक्रिया को आसान बनाने का पूरा प्रयास करेंगे और उन्होंने यह भी कहा है कि वह एक दिन हफ्ते में सब ऑफिस मनीमाजरा बैठकर एनओसी का कार्य देखेंगे और लोगों को मिला करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में उप प्रधान सुभाष धीमान एवं रामभज शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीमाजरा ईडब्ल्यूएस रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन राजबीर सिंह भारतीय और रविकांत व्यास, अंक्ति अरोड़ा, पंकज शर्मा सहित अन्य सदस्य शामिल रहे।

पंचकूला जिला की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- अब तक 34218 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद तथा 18986 मीट्रिक टन गेंहू का हुआ उठान

जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की खरीद एवं उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 34218 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 18986 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4194 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 12441 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7743 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8385 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1455 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई।

उन्होने बताया कि मंडियों में खरीद के साथ साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 2176 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 5433 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 5696 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 5206 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 475 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

मानव मंगल स्मार्ट स्कूल-64 के तीसरी और चौथी क्लास के स्टूडेंट्स ने वार्षिक समारोह राजमटाज में दिखाया हुनर

राजमटाज में दिखा संस्कृति और सृजन का रंग, नन्हें सितारों ने मंच पर बिखेरी प्रतिभा की चमक

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मानव मंगल स्मार्ट स्कूल के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव ह्यराजमटाजह्न में नन्हे कलाकारों ने अपनी प्रतिभा की ऐसी छटा बिखेरी कि पूरा सभागार तालियों की गूंज से सराबोर हो उठा। रंग-बिरंगी रोशनी और सजीव मंच सज्जा के बीच हर प्रस्तुति मानो एक नई कहानी कहती नजर आई। तीसरी और चौथी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने अपनी कला, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का ऐसा प्रभावशाली संगम प्रस्तुत किया, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह की खास बात यह रही कि इन दोनों कक्षाओं के विभिन्न सेक्शनों के सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी निभाई, जिससे कार्यक्रम में सामूहिकता और एकता की सुंदर झलक देखने को मिली। मंच पर बच्चों की ऊर्जा, भाव-भंगिमाएं और समर्पण इस बात का प्रमाण थीं कि भविष्य की प्रतिभाएं किस आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को आकार दे रही हैं। ह्यराजमटाजह्न केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बाल प्रतिभाओं के उज्ज्वल भविष्य की सजीव झलक बनकर उपस्थित हुआ, जिसे दर्शक लंबे समय तक स्मरण रखेंगे। कार्यक्रम की शुरूआत स्कूल प्रिंसिपल द्वारा प्रस्तुत वार्षिक रिपोर्ट से हुई, जिसमें उन्होंने वर्षभर की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और अन्य उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद रंगारंग प्रस्तुतियों की श्रृंखला का आगाज प्रेयर डांस से हुआ, जिसमें थर्ड ई और फोर्थ ई कक्षा के विद्यार्थियों ने हाथों में दीप लिए प्रेम, एकता और शांति का भावपूर्ण संदेश दिया। सूफी संगीत की रहस्यमयी धुनों और नृत्य की मनोहारी अभिव्यक्ति ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

वहीं, थर्ड एफ और फोर्थ डी कक्षा के विद्यार्थियों ने ह्यभाई-बहन के अटूट स्नेहह्न पर आधारित प्रस्तुति के माध्यम से रिश्तों की कोमलता और अपनत्व को अत्यंत मार्मिक ढंग से उकेरा, जिसने दर्शकों के हृदय को छू लिया। कक्षा फोर्थ ए और थर्ड सी के विद्यार्थियों ने ह्लवक्त का खेलह्व शीर्षक से एक मनोरंजक और संदेशपूर्ण प्रस्तुति दी, जिसने हंसी के साथ-साथ जीवन की गहरी सीख भी दी। छात्रों ने दशार्या कि ह्लबाद में कर लेंगेह्व की प्रवृत्ति किस तरह अवसरों को हमसे दूर कर देती है, क्योंकि समय निरंतर और अडिग गति से आगे बढ़ता रहता है।

इसी क्रम में थर्ड ए और फोर्थ एफ कक्षा के विद्यार्थियों ने ह्लफिटनेस शो–मिनी जिमह्व के माध्यम से ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में स्वस्थ शरीर और प्रसन्न मन के गहरे संबंध को सुंदर ढंग से दशार्ते हुए संतुलित जीवनशैली, नियमित व्यायाम और सकारात्मक सोच का संदेश दिया गया। समारोह का प्रमुख आकर्षण थर्ड बी और फोर्थ बी कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत ह्यजश्न-ए-भंगड़ाह्न रहा, जिसमें पंजाब की माटी की महक और लोक संस्कृति की जीवंतता मंच पर साकार हो उठी। ढोल की गूंजती थाप और रंग-बिरंगे परिधानों के बीच सजे इस नृत्य ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक स्वयं को थिरकने से रोक न सके।

वहीं, थर्ड डी और फोर्थ सी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुति देकर वातावरण को भावुक कर दिया। उनकी सजीव अभिव्यक्ति और भाव-भंगिमाओं ने राष्ट्रप्रेम की ऐसी मार्मिक अनुभूति कराई कि कई दर्शकों की आंखें नम हो उठीं। स्कूल के डॉयरेक्टर संजय सरदाना ने विद्यार्थियों और फैकल्टी के अथक परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा कि मंच पर प्रस्तुति के ये अवसर बच्चों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक ले जाते हैं और उन्हें अपने भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानने की प्रेरणा देते हैं।